mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-295 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
27 अक्टूबर 2025 सोमवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

वनडे में 100 कैच लेने...

@ पेज 7

पंजाब के पूर्व DIG भुल्लर का विदेशी कनेक्शन

दुबई में 2, कनाडा में 3 फ्लैट, CBI को लुधियाना में 20 दुकानों का भी पता चला

चंडीगढ़, एजेंसी। रिश्वत केस में पकड़े पंजाब के रोपड़ रेंज के पूर्व DIG हरचरण सिंह भुल्लर का विदेशी कनेक्शन सामने आया है। भुल्लर के ड्यूटी के दौरान ही करीबन 10 बार दुबई यात्रा पर जाने की चर्चा है। CBI ने भुल्लर का पासपोर्ट अपने कब्जे में लिया हुआ है। इसके माध्यम से उनके विदेश दौरों की डिटेल जुटाई जा रही है। CBI के आधिकारिक सूत्रों अनुसार अब तक भुल्लर के दुबई में 2 और कनाडा में 3 फ्लैट का पता चला है। इसके अलावा उनके पास लुधियाना में लगभग 55 एकड़ जमीन और माछीवाड़ा क्षेत्र में 20 दुकानों की जानकारी भी CBI के हाथ लगी है। सीबीआई को शक है कि भुल्लर ने अपनी तैनाती के दौरान विदेशों में भी संपत्ति बनाई।

CBI सूत्रों का कहना है कि एजेंसी अब इन सभी संपत्तियों के सोर्स का पता लगाने में जुटी है और यह जांच भी की जा रही है कि क्या इन संपत्तियों को किसी अन्य नाम पर खरीदा गया था। आने वाले दिनों में भुल्लर की संपत्तियों को लेकर और खुलासे होने की संभावना है।

करूर हादसे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने अपने हाथ में ली जांच, 41 लोगों की गई थी जान

नई दिल्ली, एजेंसी तमिलनाडु के करूर जिले में अभिनेता-राजनेता विजय के रैली के दौरान हुई भयावह भगदड़ की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने अपने हाथ में ले ली है। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, सीबीआई की विशेष टीम पहले ही करूर के वेलुसामीपुरम में स्थित हादसे की जगह का दौरा कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राज्य पुलिस की एफआईआर को सीबीआई ने फिर से दर्ज किया है और स्थानीय अदालत को इसकी जानकारी दी गई है।

पूर्व जज अजय रस्तोगी करेंगे निगरानी : यह मामला तमिलगा वेत्री कझगम (TVK) की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई को सौंपा गया। अदालत ने सीबीआई निदेशक को निर्देश दिया कि वह एक वरिष्ठ अधिकारी को जांच की जिम्मेदारी दें और उसके सहयोग के लिए अन्य अधिकारियों को नियुक्त करें। इसके साथ ही अदालत ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षण समिति गठित की है, जो सीबीआई जांच की निगरानी करेगी।

जस्टिस जे.के. महेश्वरी और एन.वी. अंजरिया की बेंच ने कहा कि 27 सितंबर को हुई भगदड़ ने पूरे देश के नागरिकों के मन में गहरी छाप छोड़ी है। अदालत ने कहा यह घटना नागरिकों के जीवन और मौलिक अधिकारों से जुड़ी है, इसलिए निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच बेहद आवश्यक है। बेंच ने यह भी कहा कि कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मीडिया में गैर-जिम्मेदाराना बयान दिए हैं, जिससे जनता के मन में निष्पक्ष जांच को लेकर संदेह पैदा हो सकता है। अदालत ने जोर देकर कहा कि जनता का विश्वास न्याय व्यवस्था में बहाल रहना चाहिए और इसका एकमात्र तरीका निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना है। पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से कहा था कि विजय की विशेष रैली बस को निर्धारित स्थान से कम से कम 50 मीटर पहले रोक दें।

मन की बात का 127 वां एपिसोडः

पीएम मोदी ने छठ की बधाई दी; कहा- त्योहारों में स्वदेशी वस्तुओं की जबरदस्त खरीदारी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री के रेडियो शो मन की बात के 127वां एपिसोड टेलीकास्ट हुआ। पीएम ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं और लोगों से इस उत्सव में शामिल होने की अपील की। पीएम मोदी ने मन की बात में त्तस्ज्ञ बचत उत्सव, सरदार पटेल की 150वीं जयंती, रन फॉर यूनिटी जैसे विषयों पर बात की। पीएम ने कहा कि इस बार त्योहारों के दौरान त्तस्ज्ञ बचत उत्सव को लेकर लोगों में उत्साह नजर आया। बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम की शुरुआत- छठ पर्व को लेकर लोगों को बधाई दी : पीएम ने कहा कि देश में त्योहारों का उल्लास है। कुछ दिन पहले दीवाली मनाई गई और अब छठ पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आप जहां भी हैं वहीं से छठ पर्व में भाग लें। पीएम ने छठ को लेकर सभी को बधाई भी दी।

उन्होंने कहा कि त्योहारों के इस अवसर पर मैंने पत्र लिखकर अपनी भावनाएं साझा की थी। कई मुद्दों पर बात की थी। लोगों का इसपर मुझे जवाब मिला। ऑपरेशन सिंदूर से लोगों में गर्व है। इस बार माओवादी क्षेत्रों में दिवाली की रौनक दिखी।

7 नवंबर को राष्ट्रगीत वंदे मातरम का 150 वर्ष पूरे होंगे, यादगार बनाने की अपील की : पीएम मोदी देशवासियों से आह्वान किया कि वे 7 नवंबर को 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष को यादगार बनाएं। उन्होंने कहा कि यह गीत हर भारतीय के दिल में भावनाओं और गर्व का संचार करता है, इसलिए आने वाली पीढ़ियों के लिए इसकी विरासत को आगे बढ़ाना ज़रूरी है। मोदी ने कहा कि आगामी दिनों में देशभर में 'वंदे मातरम' से जुड़े कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे पूरे मन से इस आयोजन में भाग लें। प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि 'वंदे मातरम' पहली बार 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने गाया था, और यह गीत भारत की आज़ादी की भावना का एक अहम प्रतीक रहा है।

मैंग्रोव को बढ़ावा देने की अपील

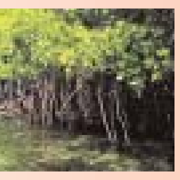

समंदर के किनारे मैंग्रूव को ज्यादा से ज्यादा लगाने की पीएम ने अपील की। उन्होंने कहा कि ये मैंग्रोव हमें सुनामी और अन्य आपदाओं से बचाते हैं। अहमदाबाद के धोलेरा तट पर साढ़े तीन हजार हेक्टेयर में इसे लगाया गया। मछली पालकों को भी इससे फायदा हो रहा है। जलीय जीव में भी इससे बढ़ोत्तरी देखने को मिली।

भारतीय नस्ल के कुत्तों को अपनाने की अपील की : पीएम ने कहा कि मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे भारतीय नस्ल के कुत्तों को अपनाएं। उन्होंने कहा कि ये कुत्ते हमारे परिवेश में आसानी से ढल जाते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने भी इन्हें अपनाया है।

जेडीयू बाहुबली अनंत सिंह का मंच टूटा, नीचे गिरे

● तेजस्वी बोले- नीतीश चाचा पलटी मारकर भाजपा में गए, हमारी सरकार वक्फ बिल कूड़े में फेंकेगी

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव में NDA और I.N.I.D.A गठबंधन के उम्मीदवारों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कटिहार में जनसभा की। इस दौरान उन्होंने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा- नीतीश चाचा पलटी मारकर भाजपा में चले गए।

तेजस्वी बोले- बीजेपी को अगर बिहार में किसी ने जगह दी तो वह नीतीश कुमार हैं। हम लोगों ने कभी भी घुटने नहीं टेके। सत्ता में आने पर हमारी सरकार मुस्लिमों की मर्जी के खिलाफ लाए गए वक्फ बिल को कूड़ेदान में फेंक देगी। इससे पहले पटना में भी तेजस्वी ने पंचायत प्रतिनिधियों, PDS डीलर, नाई, कुम्हार, लोहार समाज के लोगों के लिए भी कई घोषणाएं की। तेजस्वी ने वादा किया कि पंचायत प्रतिनिधियों का मानदेय दोगुना किया जाएगा। इधर, शनिवार को रामपुर-डूमरा गांव में सभा को संबोधित करने पहुंचे अनंत सिंह का मंच टूट गया। अनंत सिंह समेत मंच पर मौजूद सभी लोग नीचे गिर पड़े।

पॉक्सो अधिनियम लिंग-निरपेक्ष या नहीं, शीर्ष कोर्ट करेगा परीक्षण; आरोपी के खिलाफ मुकदमे पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम लिंग-निरपेक्ष है या नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर परीक्षण करने का निर्णय लिया है। एक नाबालिग लड़के के यौन उत्पीड़न की आरोपी महिला की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। याचिका में महिला ने पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों को महिला आरोपियों पर लागू होने को चुनौती दी है।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता हशमत पाशा ने दलील दी कि पॉक्सो अधिनियम की धाराएं 3(1)(ए) से 3(1)(सी) लिंग-विशिष्ट हैं और याचिकाकर्ता के मामले पर लागू नहीं होतीं। इस दलील को दर्ज करते हुए पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी करने का निर्णय लिया और ट्रायल कोर्ट में आगे की कार्यवाही को स्थगित कर दिया। धाराएं 3(1)(ए) से 3(1)(सी) बच्चों के विरुद्ध पेनिट्रेटिव यौन हमले को परिभाषित करती हैं और अपराधी को वह और उसका सर्वनामों का उपयोग करके संदर्भित करती हैं।

याचिका में कर्नाटक हाईकोर्ट के 18 अगस्त, 2025 के फैसले को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने महिला के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से इन्कार कर दिया था। हाईकोर्ट ने माना था कि पॉक्सो अधिनियम लिंग-तटस्थ है और धारा 4 और 6 के तहत अपराध एक महिला के खिलाफ आरोपित किए जा सकते हैं।

13 साल के किशोर का पड़ोसी महिला ने किया था उत्पीड़न : यह मामला लड़के के माता-पिता की शिकायत से उत्पन्न हुआ है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 48 वर्षीय पड़ोसी महिला ने फरवरी और जून 2020 के बीच उनके 13 वर्षीय बेटे का यौन उत्पीड़न किया था, जब वह आर्ट की पढ़ाई के लिए उसके घर गया था। जांच के बाद पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 (पेनिट्रेटिव यौन हमला) और धारा 6 (पेनिट्रेटिव यौन हमले के लिए सजा) के तहत दंडनीय अपराधों के लिए एक आरोप पत्र दायर किया गया, जिसके कारण अतिरिक्त सिटी सिविल और सत्र न्यायाधीश (बंगलूरू) के समक्ष एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया।

हाईकोर्ट में अपनी याचिका में महिला ने तर्क दिया था कि उनके खिलाफ लगाए गए पॉक्सो अधिनियम के प्रावधान लिंग-विशिष्ट हैं और एक महिला आरोपी पर लागू नहीं हो सकते। हालांकि हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि अधिनियम लिंग के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी बच्चों की रक्षा करता है और इसके प्रावधान पुरुष और महिला अपराधियों पर समान रूप से लागू होते हैं।

हाईकोर्ट ने कहा था- पॉक्सो लिंग तटस्थता पर आधारित

हाईकोर्ट ने कहा था, यह अधिनियम एक प्रगतिशील अधिनियम होने के नाते बचपन की पवित्रता की रक्षा के लिए है। यह लिंग तटस्थता पर आधारित है और इसका लाभकारी उद्देश्य लिंग के आधार पर भेदभाव किए बिना सभी बच्चों की सुरक्षा करना है। धारा 3 और 5, जो अधिनियम की धारा 4 और 6 के तहत अपराधों का आधार बनती हैं, हमले के विभिन्न रूपों को रेखांकित करती हैं। हालांकि कुछ प्रावधानों में लिंग-भेदक सर्वनाम का प्रयोग हो सकता है, अधिनियम की प्रस्तावना और उद्देश्य ऐसे प्रयोग को समावेशी बनाते हैं। इसलिए यह पुरुष और महिला दोनों को शामिल करता है।

महाराष्ट्र डॉक्टर आत्महत्या केस में दूसरी गिरफ्तारी

फरार सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने ने सरेंडर किया फिर अरेस्ट; राहुल ने संस्थागत हत्या करार दिया

सातारा, एजेंसी। महाराष्ट्र की महिला डॉक्टर सुसाइड केस में शनिवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि फरार सब-इंस्पेक्टर गोपाल बदने ने शनिवार शाम फलटण ग्रामीण पुलिस थाने में सरेंडर किया। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। शनिवार दोपहर पुलिस ने प्रशांत बांकर को गिरफ्तार किया था। पीड़ित जिस मकान में रहती थी, प्रशांत उस मकान मालिक का बेटा है। पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। उस पर पीड़ित का रेप करने और उसे आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज है। उधर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मामले को संस्थागत हत्या करार दिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों पर जनता को अपराधियों से बचाने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने इस निर्दोष महिला के साथ सबसे जघन्य अपराध किया। दरअसल, फलटण सिविल अस्पताल में पदस्थ महिला डॉक्टर ने 23 अक्टूबर को शहर के एक होटल में सुसाइड किया था। उसकी हथेली पर गोपाल बदने और प्रशांत बांकर के नाम लिखे थे। पीड़ित ने लिखा था कि गोपाल ने पिछले 5 महीने में 4 बार उसका रेप किया। वहीं, प्रशांत पर मेंटल हेरैस करने का आरोप लगाया था। इसके अलावा 4 पेज के सुसाइड नोट में एक सांसद और उसके दो PA पर भी आरोप लगाए हैं कि ये सभी उस पर अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए आने वाले आरोपियों के फर्जी फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने का दबाव बनाते थे।

रिश्तेदारों का दावा- पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बदलने का प्रेशर था

डॉक्टर के रिश्तेदार ने कहा- उस पर पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बदलने और गिरफ्तार आरोपियों की मेडिकल रिपोर्ट में हेरफेर का दबाव डाला जा रहा था। डॉक्टर के चचेरे भाई ने कहा कि उसने इस मामले में सतारा एसपी और डीएसपी से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसने लेटर में लिखा था- अगर उसके साथ कुछ हुआ तो जिम्मेदारी कौन लेगा।

दिल्ली-दो साल में अटूबर का सबसे ठंडा दिन, तापमान 15.8डिग्री

चक्रवात मोन्था के लिए ओडिशा-आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु में हाई अलर्ट उत्तराखंड की देवताल झील जमी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में रविवार की सुबह इस सीजन में सबसे ठंडी रही। पिछले दो साल में अक्टूबर का तापमान सबसे कम रिकॉर्ड किया गया जो की 15.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके साथ ही कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता खतरनाक लेवल पर पहुंच चुकी है।

रविवार सुबह आनंद विहार और वजीरपुर में लगातार दूसरे दिन AQI लेवल 400 से ज्यादा दर्ज हुआ। इधर पंजाब के कपूरथला में AQI लेवल 1000 से ज्यादा रिकॉर्ड हुआ। यह सबसे ज्यादा खतरनाक माना जाता है। हिमालय से सटे राज्यों में अक्टूबर में हुई बर्फबारी के बाद से तापमान में गिरावट जारी है। उत्तराखंड के चमोली में भारत-चीन बॉर्डर के पास लगभग 18 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित देवताल झील पूरी तरह से जम गई है। उधर, बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र आंध्रप्रदेश की तरफ बढ़ता जा रहा है। 27 अक्टूबर को यह चक्रवात में बदल सकता है। इसे मोन्था नाम दिया है, जो थाईलैंड ने दिया है। जिसका अर्थ है सुगंधित फूल या सुंदर फूल।

मोन्था को लेकर ओडिशा में अलर्ट, प्रशासन बोला- पूरी तैयारी : मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन 26 अक्टूबर तक डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा और 27 अक्टूबर की सुबह तक चक्रवात मोन्था में बदल जाएगा। यह 28 अक्टूबर की शाम या रात को आंध्रप्रदेश के काकीनाड़ा के पास तट से टकरा सकता है। तूफान के दौरान 90-100 kmph की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

असम का कमरकुची बना सिंगर जुबीन का स्मारक स्थल

गांव में हर रोज 5 से 10 हजार लोग पहुंच रहे; अबतक 5 लाख गमछे चढ़े

सोनापुर, एजेंसी। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने से हो गई थी। 23 सितंबर को सोनापुर जिले के कमरकुची में उनका अंतिम संस्कार हुआ था। गुवाहाटी से 31 किमी दूर इस गांव में 10 बीघा के करीब जमीन को जुबीन का देवालय सा मान लिया गया है। अब यहां हर रोज 5 से 10 लोग उनकी समाधि पर पहुंच रहे हैं। कई ऐसे भी हैं जो यहां 500-800 किमी दूर से पहुंच रहे हैं। इनमें हर उम्र के लोग शामिल हैं। जुबीन ने 52 की उम्र तक 40 हजार से ज्यादा गाने खुद लिखे और गाए। जुबीन के अंतिम संस्कार के बाद से इन 36 दिनों में उनकी समाधि पर अब तक 5 लाख से ज्यादा असमिया गमछे चढ़ाए जा चुके हैं। हजारों चिट्ठियां जुबीन के नाम पर यहां चढ़ाई जा चुकी हैं। यहां आने वाले लोग भी वही गमछा पहने नजर आते हैं, क्योंकि जुबीन अपनी असमिया पहचान के लिए इसे चूमते थे। इन गमछों में वही बातें लिखी हैं, जिन्होंने जुबीन को असम का लाड़ला बनाया। गमछों पर लिखा है- जय जुबीन दा।

चिंताजनकः भारत की नदियों से गायब हो रहे ताजे पानी के विशाल जीव, प्राकृतिक संपदा भी खतरे में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की नदियों में बसने वाले ताजे पानी के विशाल जीव मछलियां, सरीसृप और स्तनधारी तेजी से गायब हो रहे हैं। ये जीव न केवल पारिस्थितिकी संतुलन के सूचक हैं, बल्कि भारत की प्राकृतिक संपदा में करीब 1.8 ट्रिलियन डॉलर का वार्षिक योगदान भी देते हैं। मगर संरक्षण की नीतियों में उनकी स्थिति बेहद कमजोर है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के संयुक्त अध्ययन ने पहली बार इस संकट को वैज्ञानिक नजरिए से परखा है और चेताया है कि अगर नीतियों ने समय पर दिशा नहीं बदली, तो भारत की नदियों की जैव विविधता इतिहास बन सकती है।

बायोलॉजिकल कंजर्वेशन में प्रकाशित इस अध्ययन में बताया गया है कि भारत के ताजे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र में 35 प्रमुख प्रजातियां मेगाफौना यानी विशाल जीव के रूप में दर्ज हैं। इनमें 19 मछलियां, 9 सरीसृप और 7 स्तनधारी शामिल हैं। इनमें से 51 प्रतिशत या तो गंभीर संकट में हैं या उनके अस्तित्व से जुड़ी जानकारी ही अधूरी है।

खतरे और संरक्षण की दिशा : भारत की नदियों में अब भी महाशीर, घड़ियाल, नदी डॉल्फिन और सॉफ्टशेल कछुए जैसे जीव सहअस्तित्व में पाए जाते हैं, पर उनकी संख्या तेजी से घट रही है। मुख्य खतरे हैं औद्योगिक और कृषि अपशिष्ट से जल प्रदूषण, बांधों और जलविद्युत परियोजनाओं से प्रवाह बाधित होना, जलवायु परिवर्तन से तापमान और ऑक्सीजन स्तर में गिरावट तथा अवैध शिकार और अतिक्रमण।

गंगा शार्क, सिंधु डॉल्फिन पर सबसे ज्यादा खतरा: सबसे गंभीर रूप से प्रभावित प्रजातियों में गंगा शार्क, सिंधु डॉल्फिन, गंगा नदी डॉल्फिन, और एल्ड का हिरण प्रमुख हैं। कई प्रजातियां अब अपने मूल आवास के छोटे-छोटे हिस्सों में सिमट गई हैं, जहां उनका पुनरुत्पादन भी खतरे में है। एल्ड का हिरण जिसे वैज्ञानिक रूप से रुकर्वस इल्डी कहा जाता है, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाने वाला एक दुर्लभ और सुंदर दलदली हिरण है। भारत में इसे आमतौर पर संगाई या थामिन डियर भी कहा जाता है। यह मुख्य रूप से मणिपुर की लोकटक झील के पास के केईबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान में पाया जाता है जो दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ (राष्ट्रीय उद्यान फ्लोटिंग नेशनल पार्क) है।

दिनदहाड़े रॉड से हमला करने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सरिता विहार में दिनदहाड़े लोहे की रॉड से हमला करने वाले आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान अली गांव, सरिता विहार निवासी मोहित उर्फ पोली (31) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपित फरार होने की फिराक में आनंद विहार बस अड्डे से पकड़ा गया। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने रविवार को बताया कि 24 अक्टूबर को अली गांव निवासी रघुराज सिंह ने शिकायत दी थी कि दोपहर करीब 12 बजे जब वह अपनी कार से लाजपत नगर की ओर जा रहे थे, तभी अशोक नेताजी मार्केट, अली एक्सटेंशन के पास दो युवक मोटरसाइकिल पर आए और उनकी गाड़ी रोक ली। उनमें से एक युवक ने रॉड से कार के शीशे पर हमला कर दिया। जब रघुराज सिंह नीचे उतरे, तो आरोपित ने रॉड से उनके घुटने पर वार किया, जिससे वह गिर पड़े। इस बीच एक महिला और एक रिक्शा चालक ने बीच-बचाव किया। जिसके बाद आरोपित और उसका साथी वहां से फरार हो गए।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। उक्त मामले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच को जांच में लगाया गया।तफ्तीश में सामने आया कि मोहित की रघुराज सिंह से पुरानी रंजिश थी, क्योंकि शिकायतकर्ता उनके गांव में अवैध निर्माण को लेकर एमसीडी, पुलिस और डीडीए में शिकायतें कर रहे थे। इन शिकायतों के चलते मोहित के मकान पर तोड़फोड़ की कार्रवाई तय हुई थी। इसी से नाराज होकर उसने बदला लेने की नीयत से हमला किया।

पुलिस अधिकारी के अनुसार पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपित ने दाढ़ी मुंडवा ली थी और मेरठ भागने की कोशिश कर रहा था। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मोहित पहले भी सरिता विहार थाने में दर्ज एक हमले के मामले में शामिल रहा है। वह नेहरू प्लेस में सेकंड हैंड लैपटॉप की खरीद-फरोख्त का काम करता था।

कपिल मिश्रा ने छठ घाट का किया दौरा, कहा- हमने कभी दावा नहीं किया कि यमुना साफ हैं, लेकिन पूजा की जा सकती

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने रविवार को क्राउन प्लाजा और वासुदेव घाट के पास घाट पर चल रही छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लिया, जहां श्रद्धालु छठ पूजा के दूसरे दिन खरना मना रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी यह दावा नहीं किया कि यमुना साफ हैं या उसका पानी पीने योग्य है, लेकिन छठ पूजा तो की जा सकती है। उधर, मंत्री प्रवेश वर्मा के अलावा अन्य भाजपा नेताओं ने अपने क्षेत्र के छठ घाटों का दौरा किया।

वासुदेव घाट के दौरे के दौरान समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए मंत्री कपित मिश्रा ने कहा, हम यहां छठ पूजा की तैयारी की समीक्षा करने आए हैं। दिल्ली सरकार ने भव्य छठ उत्सव की तैयारी की है। पिछली सरकार ने

यमुना घाट पर छठ पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इस बार यमुना घाट पर छठ पूजा की जाएगी।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं अरविंद केजरीवाल से पूर्वांचल के लोगों पर दर्ज किए गए मुकदमों के बारे में पूछना चाहता हूं, उन्होंने पूजा-अर्चना पर रोक लगा दी थी। उन्होंने ऐसा क्यों किया इस बार पूजा इतनी अच्छी तरह से कैसे हो रही है।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने भी घाटों का दौरा किया: उधर, दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने छठ घाटों का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया और नांगलोई जाट और निहाल विहार में लोगों से बातचीत की। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, पूरे दिल्ली में अभूतपूर्व योजना छठ के लिए बनाई गई है। हर जिले में मॉडल घाट बनाए जा रहे हैं। ये इस क्षेत्र का सबसे बड़ा घाट है। हम हर साल इसकी भव्यता बढ़ाने का काम करेंगे और इस बार पीएम मोदी भी हमारे साथ दिल्ली में छठ मनाएंगे। हम अपनी तरफ से बहुत अच्छी तैयारी किए हुए हैं, पहले यमुना घाट पर छठ नहीं मनाया जाता था, इस बार वहां पर करीब 20 छठ घाट बनाए जा रहे हैं।

चिराग दिल्ली में पांच मंजिला इमारत में आईं दरारें, 10 परिवारों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली की चिराग दिल्ली में शनिवार शाम एक पांच मंजिला इमारत में दरारें पड़ने से इलाके में अफरा तफरी का माहौल पैदा हो गया। स्थानीय मालवीय नगर थाना पुलिस ने करीब 10 परिवारों को बचाकर सुरक्षित बाहर निकाला। यह इमारत ऐतिहासिक बेहलोल लोधी की कब्र के ठीक पास मौजूद है। एमसीडी, डीडीएमए समेत अन्य सिविक एजेंसियों की टीमें हालात का जायजा ले रही हैं।

दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि शनिवार शाम करीब 7¬15 बजे बीट अफसर सिपाही दीपक को सूचना मिली कि चिराग दिल्ली स्थित

मकान नंबर 95/2ए में गंभीर दरारें आ गई हैं। दीपक ने इसकी सूचना सीनियर अधिकारियों को दी। मालवीय नगर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। इससे पहले ही बीट स्टाफ ने सतर्कता बरतते हुए मकान में रह रहे सभी 10 परिवारों के साथ आसपास के मकानों को भी खाली करा लिया था ताकि किसी भी संभावित हादसे से बचा जा सके।

इमारत बेहलोल लोधी की कब्र के ठीक पास स्थित है जहां कई अन्य ऐतिहासिक निर्माण भी मौजूद हैं।

गलाघोंटू गैंग का बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार पैर में लगी गोली; अवैध हथियार बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी दिल्ली पुलिस की साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गलाघोंटू गैंग के एक कुख्यात सदस्य को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान हिमांशु के रूप में हुई है, जो मुठभेड़ में घायल हो गया है और उसके पैर में गोली लगी है। मौके से पुलिस ने एक .32 बोर की सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

डोमिनोज डिलीवरी बॉय को बनाया निशाना: हिमांशु पर आरोप है कि उसने अपने एक सांथी के साथ मिलकर बीते 22 अक्तूबर को पुल प्रहलादपुर इलाके में एक डोमिनोज के डिलीवरी बॉय को निशाना बनाया था। इन्होंने स्कूटी पर जा रहे डिलीवरी बॉय का गला चोक कर उससे लूटपाट की थी।

एनकाउंटर के बाद दबोचा गया मुख्य आरोपी: इस घटना का संज्ञान खुद दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने लिया था, जिसके बाद पुल प्रहलादपुर थाने के एसएचओ को लाइन हाजिर कर दिया गया था। अब इस मामले में मुख्य आरोपी हिमांशु को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया।

रोहिणी में पड़ोसी की गला घोंटकर हत्या: एक अन्य खबर में, दिल्ली के रोहिणी में शनिवार सुबह 36 वर्षीय एक ऑटो चालक की उसके पड़ोसी ने अपनी पत्नी के साथ गाली-गलौज करने के कारण कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। यह घटना सुबह करीब 10 बजे हुई जब सावदा निवासी दुलार हलदर और उसके पड़ोसी अजय (32) के बीच हाथापाई हो गई।

पुलिस के अनुसार, पश्चिम बंगाल के फरक्का निवासी हलदर ने कथित तौर पर अजय की पत्नी के साथ गाली-गलौज की, जिससे विवाद शुरू हो गया और अंततः हाथापाई में तब्दील हो गया। हाथापाई के दौरान अजय ने कथित तौर पर हलदर का गला घोंट दिया, जिससे वह बेहोश हो गया। हलदर को रामा विहार स्थित सिग्नस अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) राजीव रंजन ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

प्लास्टिक की बोतल के ढक्कन में छिपाया सोना, आईजीआई हवाई अड्डे पर पकड़ा गया दुबई से आया यात्री

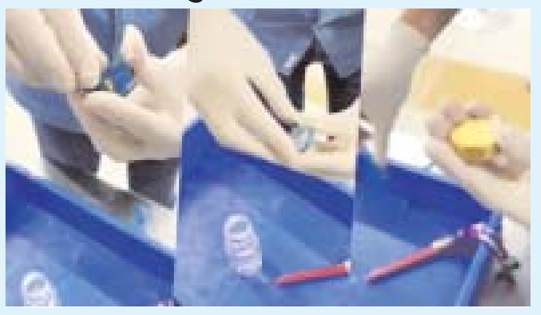

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई एयरपोर्ट) पर कस्टम अधिकारियों ने एक चौंकाने वाली तस्करी की कोशिश का खुलासा किया है। दुबई से फ्लाइट॰ढ्ढ-996 से आए एक भारतीय यात्री के पास से 170 ग्राम सोना बरामद हुआ, जिसे उसने प्लास्टिक की बोतल के ढक्कन के नीचे चालाकी से छिपा रखा था। 25 अक्टूबर 2025 की सुबह जब यात्री ग्रीन चैनल से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, तो कस्टम टीम ने उसे गुपचुप तरीके से फ्लाइट गेट से ही ट्रैक किया। जांच के दौरान उसके बैग की एक्स-रे स्क्रीनिंग में संदिग्ध तस्वीरें दिखीं। गहन तलाशी लेने पर बोतल के कैप के नीचे छिपा गोल आकार का सोने का टुकड़ा बरामद किया गया। कस्टम विभाग ने सोने को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत जब्त कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की जांच जारी है और यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी यात्री किसी अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का हिस्सा है या नहीं।

हत्या के मामले में एक नाबालिग समेत तीन को पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पश्चिमी जिले के आदर्श नगर इलाके में हुई महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपितों को पकड़ा है। आरोपितों ने आलम नामक युवक से बदला लेने के इरादे से दो महिलाओं पर चाकू से हमला किया था। हमले में एक महिला की मौत हो गई थी। जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल है। गिरफ्तार आरोपितों में विकी (28), अंकित उर्फ आलोक (19) और एक नाबालिग शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से हत्या में इस्तेमाल चाकू और स्कूटी बरामद की है। जिसका इस्तेमाल वारदात में किया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि मामला 23 अक्टूबर की रात करीब साढ़े 9 बजे का है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आजादपुर स्थित टीपीटी सेंटर के पास एक महिला खून से लथपथ पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि करीब 30 वर्षीय महिला की छाती पर चाकू के कई वार किए गए थे। जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं दूसरी महिला, जो खजूरी खास निवासी मोहम्मद दुलारे की पत्नी बताई गई, गंभीर रूप से घायल थी। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे एलएनजेपी अस्पताल रेफर किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय मुखबिरों की मदद से आरोपितों की पहचान की। कुछ दिनों में पुलिस ने विकी, अंकित उर्फ आलोक और नाबालिग को दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में मुख्य आरोपित विकी ने बताया कि कुछ दिन पहले आलम नाम के व्यक्ति ने उसकी पत्नी और परिचितों के साथ मारपीट की थी। गुस्से में आकर उसने अपने साथियों अंकित और नाबालिग को साथ लेकर आलम से जुड़े रिश्तेदार दो महिलाओं पर हमला करने की साजिश रची। 23 अक्टूबर की रात तीनों स्कूटी पर सवार होकर मौके पर पहुंचे और महिलाओं पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई।

नशा रोकने के लिए स्रोत को खत्म करने के प्रयास होंगे तेज

नई टिहरी, एजेंसी। एडीएम अवधेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में नशामुक्ति को लेकर एनसीओआरडी की मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में एडीएम ने सम्बंधित अधिकारियों को नशामुक्ति को लेकर कार्यवाहियां तेज करने के निर्देश दिये। आयोजित बैठक में एडीएम ने कहा कि ड्रग के स्रोत पर ही रोक लगाने का विभाग तत्परता से करें। शिक्षा विभाग को विद्यालयों में बनी एंटी ड्रग्स कमेटी की मासिक रिपोर्ट पुलिस विभाग को उपलब्ध कराने तथा पुलिस विभाग को होटल, रेस्टोरेंट में मासिक छापेमारी एवं चालानी कार्यवाही के दौरान नियमित ड्रग टेस्टिंग और यूरीन टेस्टिंग करने को कहा गया। इसके साथ हीं सभी कालेज और मेडिकल स्टोर्स में सीसीटीवी कैमरे लगवाना सुनिश्चित करें और फुटेज रखकर चेकिंग करने, पुलिस एवं समाज कल्याण विभाग को सभाओं में प्रचार वैन के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाने, नशीली सामग्री की मांग और सप्लाई की चेन को तोड़ने के लिए स्थान चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई तेज करें। जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थलों में राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन पोर्टल 'मानस' (हेल्पलाइन नंबर 1933 पर नशे से संबंधित जानकारी) का व्यापक प्रचार-प्रसार करने करें।

इस अवसर पर सीओ टिहरी ओसिन जोशी ने बताया कि माह अक्टूबर में अब तक टिहरी पुलिस विभाग द्वारा नशे की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के लिए एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत 4 अभियोगों में 4 आरोपी गिरफ्तार कर 419.86 ग्राम चरस, 219.26 ग्राम स्मैक बरामद की गई। जनपद के समस्त थानों पर गठित एएनटीएफ टीम की मदद से शैक्षिण स्थानों व आम जनमानस में नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में कुल 45 जागरूकता गोष्ठियां आयोजित की हैं। ड्रग इंस्पेक्टर ऋषभ धामा ने बताया कि माह सितंबर में मेडिकल स्टोर्स में 13 संयुक्त निरीक्षण के दौरान कफ शिरफ के 18 सैंपल लिए गए तथा एक मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी कैमरा न लगे होने के कारण नोटिस जारी किया गया। रॉड्स संस्था से रंजीता थपलियाल ने बताया कि 4 नशामुक्त शादियां की गई, विभिन्न स्थलों पर जा जागरूकता को 102 को नशामुक्ति की शपथ दिलाकर हनुमान चालीसा वितरित की गई।

रूस ने बढ़ाई रक्षा शक्ति: परमाणु इंजन वाली अनोखी क्रूज मिसाइल का किया सफल परीक्षण, पुतिन ने किया ऐलान

रूस, एजेन्सी। मॉस्कों रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असीमित रेंज वाली अद्वितीय परमाणु ऊर्जा संचालित 'बुरेवेस्त्निक क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की रविवार को घोषणा की और सशस्त्र बलों को इसकी तैनाती के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करने का आदेश दिया।

पुतिन ने 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और अन्य सैन्य कमांडरों के साथ अपनी बैठक में उल्लेख किया कि हाल में परमाणु शक्तियों के अभ्यास के दौरान 'बुरेवेस्त्निक क्रूज मिसाइल 15 घंटे तक हवा में रही और उसने सफल परीक्षणों के दौरान 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की।

इस बैठक का टेलीविजन का प्रसारण किया गया। रूस के सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में पुतिन ने इससे पहले सुबह यूक्रेन में सैन्य अभियानों के संयुक्त स्टाफ का दौरा किया और चीफ जनरल स्टाफ जनरल वालेरी गेरासिमोव के नेतृत्व में बल कमांडरों के साथ बातचीत की।

गेरासिमोव ने पुतिन को दो महत्वपूर्ण दिशाओं में 10,000 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों की घेराबंदी किए जाने के जानकारी दी। गेरासिमोव ने कहा, ''31 बटालियन वाले यूक्रेनी सशस्त्र बलों के एक बड़े समूह को अवरुद्ध कर दिया गया है।

गाजा में इस्राइल का हवाई हमला, इस्लामिक जिहाद सदस्य को बनाया निशाना; अस्पताल में चार घायल लोग भर्ती

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइल ने नुसेरात इलाके में हवाई हमला किया, जिसमें इस्लामिक जिहाद संगठन के एक सदस्य को निशाना बनाया गया। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम अब भी प्रभावी था। इस्राइली सेना ने अपने बयान में कहा कि उसने यह कार्रवाई एक सटीक और योजनाबद्ध स्ट्राइक के तहत की।

सेना ने बयान में कहा कुछ देर पहले आईडीएफ (इस्राइली डिफेंस फोर्स) ने नुसेरात इलाके में एक इस्लामिक जिहाद आतंकवादी को निशाना बनाया, जो हमारे सैनिकों पर आसन्न हमला करने की योजना बना रहा था।

चार लोग घायल, अस्पताल ने दी जानकारी

हमास-शासित क्षेत्र में स्थित अल-अवदा अस्पताल ने बताया कि नुसेरात कैंप में हुए हमले के बाद चार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रशासन ने बयान जारी कर कहा अल-अहली क्लब क्षेत्र में एक नागरिक कार को निशाना बनाए जाने के बाद चार लोग घायल हुए हैं।

दो सप्ताह से लागू है संघर्षविराम

पिछले दो हफ्तों से हमास और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू है। हालांकि, इस्राइल ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी भी हमले की स्थिति में अपने सैनिकों की सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार रखता है। इस हमले के बाद एक बार फिर से यह चिंता बढ़ गई है कि कहीं संघर्षविराम टूट न जाए और गाजा में हालात फिर से बिगड़ जाएं।

इस्राइल की चेतावनी¬ खतरे खत्म होने तक कार्रवाई जारी रहेगी:

इस्राइली सेना ने कहा है कि वह गाजा में तब तक अभियान जारी रखेगी जब तक उसके सैनिकों के खिलाफ कोई तत्काल खतरा मौजूद है।इस्राइली सेना ने दोहराया कि हम गाजा में सभी खतरों को समाप्त करने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लगातार तनाव और अस्थिरता गाजा पट्टी लंबे समय से इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष का केंद्र बनी हुई है।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला नाकाम, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन आतंकियों को किया ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वजीरिस्तान जिले में एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया और आत्मघाती हमले की तैयारी में लगे वाहन को भी नष्ट कर दिया। आईएसपीआर द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन जिले के झल्लर इलाके में चलाया गया था। सेना को खुफिया जानकारी मिली थी कि 'फितना अल-खवारिज' संगठन के आतंकी (जो प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान - ञ्जञ्जक्क से जुड़े हैं) एक बड़े आत्मघाती हमले की साजिश रच रहे हैं। बयान में कहा गया कि सु रक्षा बलों ने समय रहते कार्रवाई करते हुए उन आतंकियों को निशाना बनाया और विस्फोटक से भरे वाहन को उड़ाकर एक संभावित विनाशकारी हमले को टाल दिया। आईएसपीआर ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अब भी क्लीन-अप और सर्च ऑपरेशन जारी है ताकि किसी भी अन्य छिपे आतंकी को पकड़ा जा सके। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी

सेना के बयान में कहा कि 'अज़्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत सुरक्षा बल और

कानून प्रवर्तन एजेंसियां पाकिस्तान से विदेशी समर्थित आतंकवाद के खात्मे तक कार्रवाई जारी रखेंगी। हमारे जवानों के बलिदान से हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है।

पाकिस्तान में बढ़ते हमले और राजनीतिक प्रतिक्रिया हाल के महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में तेजी आई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में। अधिकतर हमले पुलिस, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। 2022 में ञ्जञ्जक्क द्वारा सरकार के साथ युद्धविराम समझौता तोड़ने के बाद से हमलों में भारी वृद्धि देखी गई है।

हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने दावा किया था कि प्रांत में आतंकवाद की पुनर्वापसी केंद्र सरकार की गलत नीतियों का नतीजा है।

हालांकि, सत्ता में रही पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी सैन्य अभियानों का विरोध करती रही है, क्योंकि इनसे जन विस्थापन और नागरिकों की परेशानी बढ़ जाती है।

आसियान सम्मेलन में मलेशिया जा रहे ट्रंप की अल-उदीद एयरबेस पर कतर के अमीर के साथ मुलाकात

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कतर के अमीर और प्रधानमंत्री से मुलाकात की।यह अप्रत्याशित मुलाकात तब हुई जब आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने मलेशिया जा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति का विमान अल-उदीद एयरबेस पर ईंधन भरने के लिए रुका था।

व्हाइट हाउस ने एक्स पोस्ट साझा करते हुए इस मुलाकात की तस्वीरें और ब्यौरा जारी कर बताया है कि मलेशिया जा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का विमान अल-उदीद एयर बेस पर ईंधन भरने के लिए रुका था। जहां कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने ट्रंप का गर्मजोशी भरा स्वागत किया।

एयर फोर्स वन विमान में हुई बैठक के बाद ट्रंप ने कहा कि हमने मिलकर जो काम किया है, वह ऐतिहासिक है- मध्य पूर्व में अब असली शांति आई है। ऐसी शांति पहले कभी नहीं देखी गई।

पुलिस ने नाइट कॉम्बिंग गश्त में की बड़ी कार्रवाई

264 बदमाश गिरफ्तार, संवेदनशील इलाकों में मारा छापा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पुलिस ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए शनिवार रात सघन नाइट कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के नेतृत्व में रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत और डीआईजी हेमंत चौहान के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में कुल 264 बदमाशों और आरोपियों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में 14 स्थायी वारंटी, 108 गिरफ्तारी वारंटी और 142 निगरानी बदमाश तथा गुंडे शामिल हैं। पुलिस टीमों ने जिले के सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में रातभर गश्त कर फरार अपराधियों को धर दबोचा।

इस अभियान के दौरान संवेदनशील इलाकों, प्रमुख बाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और हाईवे पर कट-ऑफ पार्टियां लगाई गईं, जहां संदिग्ध व्यक्तियों की गहन जांच की गई। पुलिस ने कई ऐसे अपराधियों को भी पकड़ा जो पिछले छह से नौ साल से फरार चल रहे थे। ये गिरफ्तारियां सासन, खुटार, नवानगर, मोरवा, सरई, लंघाडोल, चितरंगी और बगदरा जैसे विभिन्न क्षेत्रों से की गईं।

पुलिस ने देर रात बिना किसी वैध कारण के घूम रहे युवकों को सख्त चेतावनी दी। इसके अतिरिक्त, बैंकों और एटीएम परिसरों का औचक निरीक्षण भी किया गया। सिंगरौली पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में भय का माहौल बना, वहीं आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई।

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर अंकुश लगाने और जनता में विश्वास कायम रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे औचक अभियान लगातार जारी रहेंगे।

किसानों को नरवाई न जलाने तथा इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों से अपील की गई है कि वे फसल कटाई के बाद खेतों में बची हुई नरवाई (फसल अवशेष) को किसी भी स्थिति में न जलाएं। नरवाई जलाने से एक ओर जहाँ खेतों में अग्नि दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है, वहीं इससे मिट्टी की उर्वरकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

नरवाई जलाने से निकलने वाला धुआँ वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ाता है, जिससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है, जहाँ खेती के लिए उपयोगी जीवाणु पाए जाते हैं। नरवाई जलाने से ये जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की गुणवत्ता घट जाती है।

यदि किसान फसल अवशेषों को एकत्रित कर नाडेप या वर्मी विधि से जैविक खाद तैयार करें, तो यह खेतों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस प्रकार तैयार खाद में फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की प्रचुर मात्रा होती है।

इसके अतिरिक्त, किसान खेतों में रोटावेटर या डिस्क हैरो चलाकर फसल के बचे हुए भागों को मिट्टी में मिला सकते हैं। इससे मिट्टी की संरचना और उर्वरता में सुधार होता है। फसल कटाई के बाद नरवाई को खाद में बदलने तथा बिना जुताई के बुवाई के लिए सुपर सीडर और हैप्पी सीडर मशीनों का उपयोग अत्यंत उपयोगी है। इससे नरवाई नष्ट करने, जुताई और बुवाई का खर्च एवं समय, तीनों में बचत होती है, साथ ही खेतों में जैविक खाद का निर्माण भी संभव हो जाता है।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु सीईओ मझौली द्वारा पंचायतों में लगाया गया कैंप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से रविवार को जनपद पंचायत मझौली के सीईओ धनंजय मिश्रा द्वारा ग्राम पंचायत चमराडोल (बोदारी टोला) एवं नौढ़िया में विशेष शिकायत निवारण कैंप आयोजित किया गया।

कैंप के दौरान शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सीईओ श्री मिश्रा ने स्वयं सुना और मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए तत्काल निराकरण करवाया। इस दौरान लगभग 30 से अधिक शिकायतों का परीक्षण एवं समाधान शिकायतकर्ताओं की उपस्थिति में ही किया गया।

कार्यक्रम में जनपद मझौली के अरविंद तिवारी, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र सीधी से ट्रांस डिसिप्लिनरी विशेष शिक्षक शिवांशु शुक्ला, ग्राम पंचायत चमराडोल के सरपंच ब्रजेश चंद्र तिवारी, रामशिरोमणि यादव, पीसीओ, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं संबंधित शिकायतकर्ता उपस्थित रहे।

सीईओ मिश्रा ने कहा कि भविष्य में भी पंचायत स्तर पर इस प्रकार के कैंप नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रत्येक शिकायत का शीघ्र एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

एसपी ने महिला आरक्षक अंजू जायसवाल को किया सस्पेंड

सुरक्षा ड्यूटी के दौरान पंडिताई को लेकर कहे अपशब्द; वीडियो सामने आने पर हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। डीसीआरबी शाखा में पदस्थ महिला आरक्षक अंजू जायसवाल को शनिवार देर रात निलंबित कर दिया गया है। दरअसल, वर्दी में एक निजी कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति को अपशब्द कहते हुए उनका वीडियो सामने आया था। एसपी ने इस पर एक्शन लेते हुए महिला आरक्षक को सस्पेंड कर दिया है।

पंडिताई को लेकर कहे थे अपशब्द: घटना 24 अक्टूबर की रात लगभग 10 बजे की बताई जा रही है। महिला आरक्षक अंजू जायसवाल को एक निजी कार्यक्रम में शहनाज अख्तर की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात किया गया था। इस दौरान पड़रा निवासी गोलू केवट और आरक्षक अंजू जायसवाल के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद अंजू जायसवाल ने वर्दी में ही अपशब्दों का इस्तेमाल किया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने की कार्रवाई की मांग: वीडियो वायरल होने के बाद ब्राह्मण समाज में भारी आक्रोश फैल गया। अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष पंडित राकेश दुबे ने इस घटना की निंदा करते हुए सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने वर्दी में समाज विशेष को अपशब्द कहने पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

एसपी ने महिला आरक्षक को किया निलंबित: मामले का संज्ञान लेते हुए एसपी सीधी संतोष कोरी ने तत्काल कार्रवाई की। एसपी ने अपने आदेश में कहा कि महिला आरक्षक का यह व्यवहार पुलिस विभाग की छवि को धूमिल करता है और यह स्पष्ट रूप से कदाचार की श्रेणी में आता है। पुलिस अधीक्षक ने शनिवार देर रात करीब 12 बजे आरक्षक अंजू जायसवाल को निलंबित कर दिया। निलंबन की अवधि में उन्हें रक्षित केंद्र सीधी में पदस्थ किया गया है, जहां वे केवल जीवन निर्वाह भत्ता की पात्र होंगी। एसपी के आदेशानुसार, निलंबन के दौरान अंजू जायसवाल बिना मुख्यालय की अनुमति के कहीं नहीं जा सकेंगी और उन्हें नियमानुसार अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना नवीनीकरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

सीधी। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सीधी ने जानकारी देकर बताया कि पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के नवीनीकरण आवेदनों के लिए एम.पी. टास (ड-ज्ञ) पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। यह पोर्टल वर्ष पर्यंत खुला रहेगा, जिससे पात्र विद्यार्थी अपने आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे।

सभी शासकीय, अशासकीय एवं नोडल संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने संस्थान में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को इस संबंध में सूचित करें तथा निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन आवेदन करवाना सुनिश्चित करें। संस्थाओं को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि छात्रवृत्ति से संबंधित सूचना संस्थान के सूचना पटल पर प्रदर्शित की जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इस योजना का लाभ समय-सीमा के भीतर ले सकें।

डेयरी व्यवसाय में आत्मनिर्भरता का मार्ग, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना से सुनहरा अवसर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पशुपालन विभाग द्वारा जिले में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहित करने तथा ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना पशुपालकों को डेयरी व्यवसाय के क्षेत्र में सशक्त बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

योजना के अंतर्गत परियोजना लागत का 75 प्रतिशत भाग बैंक ऋण के रूप में दिया जाता है, जबकि शेष 25 प्रतिशत राशि हितग्राही द्वारा अंशदान के रूप में वहन की जाती है। इसके साथ ही, 7 वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज प्रतिपूर्ति अनुदान का लाभ भी पशुपालकों को प्राप्त होता है।

योजना का लाभ लेने के लिए पशुपालक के पास कम से कम पाँच पशु और एक एकड़ कृषि भूमि होना आवश्यक है। पशुओं की संख्या बढ़ने पर उसी अनुपात में कृषि भूमि का निर्धारण किया जाता है। योजना में एक इकाई की लागत 5 भैंसों के लिए 4 लाख 25 हजार रुपये, 5 शंकर नस्ल की गायों के लिए 3 लाख 82 हजार रुपये, तथा 5 देशी गायों के लिए 2 लाख 43 हजार 750 रुपये निर्धारित की गई है। वहीं, 10 दुधारू पशुओं के लिए यह लागत क्रमशः 10 भैंसों पर 8 लाख 40 हजार रुपये, 10 शंकर गायों पर 7 लाख 51 हजार रुपये, और 10 देशी गायों पर 4 लाख 75 हजार रुपये है।

सामान्य वर्ग के पशुपालकों को परियोजना लागत का 25 प्रतिशत अधिकतम 1 लाख 25 हजार रुपये तक और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को 33 प्रतिशत अधिकतम 2 लाख रुपये तक मार्जिन मनी सहायता दी जाती है। पशुपालन विभाग द्वारा तैयार प्रकरण संबंधित बैंकों को भेजे जाते हैं, और स्वीकृति मिलने के बाद हितग्राही को पूरी इकाई लागत की राशि उपलब्ध कराई जाती है।

योजना में बैंक ऋण की 75 प्रतिशत राशि पर 5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अनुदान प्रदान किया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा 25 हजार रुपये प्रति वर्ष निर्धारित की गई है। इस योजना से जिले के अनेक पशुपालक सफलतापूर्वक डेयरी इकाइयाँ संचालित कर रहे हैं, जिससे ग्रामीण अंचलों में रोजगार, आय एवं दुग्ध उत्पादकताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

बड़ी मां और बच्चों ने नाबालिग पर दोबारा हमला किया, दो दिन पहले भी पीटा था; जान से मारने की दी धमकी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग पर दोबारा हमला हुआ है। आरोप है कि उसकी बड़ी मां, बेटे और बेटी ने उसे पीटा और जान से मारने की धमकी दी। यह घटना रविवार दोपहर करीब 2 बजे हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, इस घटना से दो दिन पहले 23 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे भी किशोरी पर हमला हुआ था। तब 17 वर्षीय पीड़िता को उसकी बड़ी मां, बेटे और बेटी ने घर के बाहर लात-घूंसों से पीटा था। मारपीट के बाद उसे पहले नजर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां से गंभीर हालत के चलते बहरी हॉस्पिटल रेफर किया गया था।

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पहली घटना के बाद भी आरोपी पक्ष लगातार धमकी दे रहा था। उसने बताया कि रविवार दोपहर करीब 2 बजे उसकी बड़ी मां ने एक बार फिर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की। बहरी पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नियम अनुसार करेंगे कार्रवाई: थाना प्रभारी राजेश पांडे ने बताया कि पीड़िता के आवेदन के आधार पर जांच जारी है और तथ्यों की पुष्टि होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। किशोरी ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

प्लाई गिरने से पल्लेदार घायल, ट्रक से माल अनलोड करते समय हुआ हादसा; सिर और पीठ में आई गंभीर चोटें

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार में प्लाई उतारते समय एक पल्लेदार गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रक से लकड़ी की प्लाई शीट्स उतारी जा रही थीं। इसी दौरान अचानक प्लाई का एक बड़ा गट्ठर फिसलकर नीचे खड़े पल्लेदार पर गिर गया।

आसपास मौजूद लोगों और अन्य मजदूरों ने तुरंत घायल व्यक्ति को बाहर निकाला। उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चितरंगी ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, पल्लेदार को सिर और पीठ में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में यह हादसा जानबूझकर किया गया नहीं लग रहा है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कॅरियर काउंसलिंग हेतु विषय विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिकों से आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि जिला रोजगार कार्यालय सीधी में जॉब फेयर एवं कॅरियर काउंसलिंग योजनान्तर्गत कॅरियर मार्गदर्शन हेतु विषय विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिकों के गेस्ट पैनल के गठन के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। नामांकित काउंसलरों को निर्धारित दिवसों में जिले के शासकीय स्कूलों एवं कॉलेजों में जाकर अध्ययनरत विद्यार्थियों की काउंसलिंग करनी होगी, जिसके लिए उन्हें निर्धारित मानदेय प्रदान किया जाएगा।

इच्छुक आवेदक 11 नवम्बर 2025 तक अपने आवेदन-पत्र जिला रोजगार कार्यालय सीधी में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर जमा कर सकते हैं। मनोवैज्ञानिक पद हेतु अनिवार्य योग्यता साइकॉलॉजी या क्लीनिकल साइकॉलॉजी में स्नातकोत्तर उपाधि या पीजी डिप्लोमा होना आवश्यक है।

सड़क के बीच लगाया हैंडपंप, पीएम जनमन योजना की सड़क पर अनोखा निर्माण; अधिकारी बोले- जानकारी नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम डोलकोठार में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बनी एक सड़क के बीचोंबीच एक हैंडपंप मौजूद है। सड़क निर्माण के दौरान इस हैंडपंप को हटाने के बजाय, सड़क को उसके ऊपर से ही निकाला गया है, जिससे यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। यह सड़क बैगा बस्ती को जोड़ती है और ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित की गई है। ग्रामीणों के अनुसार, यह हैंडपंप गांव के लगभग 10 परिवारों के लिए पानी का एकमात्र स्रोत था।

ऐसे किया निर्माण: सड़क निर्माण के समय, सरपंच मनोज बैगा और सचिव मोतीलाल साकेत ने हैंडपंप को हटाने के बजाय उसे सड़क के नीचे गड्ढा खोदकर नीचा कर दिया। हैंडपंप तक पहुंचने के लिए सीढ़ियां बनाई गई और उसकी सुरक्षा के लिए चारों ओर लोहे के खंभे लगाए गए हैं।

विरोध के बाद भी ऊपर से निकाली सड़क: ग्रामीण सचिन सिंह ने बताया कि उन्होंने इस निर्माण का विरोध किया था, लेकिन सड़क हैंडपंप के ऊपर से ही निकाल दी गई। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीण इसी हैंडपंप से पानी भरते हैं, क्योंकि उनके पास पानी का कोई दूसरा साधन नहीं है।

सचिव बोले- हमारे कार्यक्षेत्र में नहीं: इस संबंध में सचिव मोतीलाल साकेत का कहना है कि निर्माण कार्य पुरानी सड़क के हिसाब से ही किया गया था और हैंडपंप हटाना उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता। जनपद सीईओ चंद्रलाल पनिका और एसडीएम राकेश शुक्ला दोनों ने इस मामले की जानकारी न होने की बात कही है।

लापरवाही पर कार्रवाई करेंगे: एसडीएम राकेश शुक्ला ने बताया कि यह जो वीडियो वायरल हुआ है, वह मुझे अभी मिला है। मुझे इस बात की अभी जानकारी नहीं है। यह सड़क प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत पीएम जन मन से बनी है। हम इस पूरे मामले की जांच करवाते हैं, जिसकी लापरवाही सामने आएगी उस पर कार्रवाई की जाएगी।

जमीन विवाद में बुजुर्ग पर हमला, आरोपियों ने कट्टा लहराया; पुलिस ने एफआईआर में नहीं किया जिक्र

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न थाना क्षेत्र के काम गांव में जमीन विवाद को लेकर एक 66 वर्षीय बुजुर्ग पर हमला किया गया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें आरोपी कट्टा लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बुजुर्ग सियाराम शाह अपने प्लॉट पर पिलर का निर्माण करवा रहे थे, तभी कुछ गांव के लोग वहां पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य रुकवा दिया, पिलर तोड़ दिए और बुजुर्ग को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित सियाराम शाह ने सिंगरौली कलेक्टर को दिए आवेदन में बताया कि जब उन्होंने विरोध किया, तो आरोपियों ने कट्टा निकालकर जान से मारने की कोशिश की। घटना के वायरल वीडियो में एक आरोपी कट्टा लहराते हुए दिख रहा है। सियाराम शाह ने तुरंत डायल 112 पर घटना की सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, चौकी शासन में दर्ज रिपोर्ट में सभी आरोपियों के नाम और कट्टा दिखाने की बात का जिक्र नहीं किया गया था।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी मनोज कुमार वैश्य और उसके साथी उन्हें लगातार धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि अगर कार्रवाई नहीं हुई, तो उनकी और उनके परिवार की जान को खतरा हो सकता है।

इस मामले पर नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते ने बताया कि वायरल वीडियो में दिख रही बंदूक असली नहीं, बल्कि नकली है। पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। आगे की विवेचना जारी है।

भोपाल-विदिशा में सोशल मीडिया पर बिके मौत के पटाखे, देसी 'कार्बाइड गन' बनी सबसे खतरनाक दिवाली

संपादकीय

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और उससे सटे जिले विदिशा में देसी पटाखा 'कार्बाइड गन' के कारण कई बच्चों की आंखों की रोशनी चली गई और इस तरह दीप उत्सव पर खुशी मनाने का मौका कई परिवारों के लिए दुखद बन कर आया। इस घटना में जख्मी होने के डेढ़ सौ से अधिक मामले सामने आए। सौ से अधिक लोग अब भी अस्पतालों में भर्ती हैं। विदिशा में पचास लोगों का इलाज चल रहा है। यह निराशाजनक ही है कि पारंपरिक पटाखों को लेकर कोई सचेत नहीं है, न प्रशासन और न नागरिक।

सवाल है कि पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ भर कर 'कार्बाइड गन' बनाने की किसे सूझी और ऐसा करने को लेकर किस स्तर पर लापरवाही बरती गई। गौरतलब है कि गैस लाइटर, प्लास्टिक पाइप और कैल्शियम कार्बाइड से बनाई गई यह देसी 'गन' दिवाली पर खूब बिकी। इस पटाखे को खिलौने की तरह सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया था। नतीजतन, बिना किसी रोकटोक के बड़ी संख्या में इसकी बिक्री हुई। जबकि सुरक्षा की दृष्टि से ये बेहद खतरनाक थे। भोपाल में हुई घटना के बाद चिकित्सकों ने कहा कि कार्बाइड गन में बनने वाली एसिटिलीन गैस आंख की कार्निया को नब्बे फीसद तक जला देती है। लिहाजा, पारंपरिक पटाखों पर सख्त पाबंदी लगाने की जरूरत है। इनसे प्रायः झुलसने का खतरा होता है। कार्बाइड गन इसका उदाहरण है। इसमें पीवीसी पाइप फटने से प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े छर्रे की तरह शरीर को जख्मी कर देते हैं।

पिछले दिनों इसी कारण लोगों के चेहरे झुलस गए। दुखद है कि जिन बच्चों की आंखों की रोशनी बुझ गई, उनके अभिभावकों ने इसके उपयोग को लेकर एहतियात बरतना जरूरी नहीं समझा। पटाखों को लेकर शीर्ष न्यायालय ने बार-बार सख्ती दिखाई है। फिर भी इसे न तो शासन और न ही आम लोगों की ओर से गंभीरता से लिया जा रहा है। पटाखे न केवल पर्यावरण, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा और शांति पर भी प्रभाव डालते हैं। जरूरत इस बात की है कि पूरे देश में पटाखों को लेकर एक ठोस नीति हो और किसी भी दशा में इसके उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

रसोई भई चकाचक

मृदुला श्रीवास्तव

'राधिका! देख कौन आई हैं? तू भी मिल।' हाउस-मेड राधिका किचन से बाहर आई। गेरुए से वस्त्र धारण किए, कई महीनों से अपने बालों को न धोती दिखती, लंबी जटाओं वाली, गले में ढेर सारी रुद्राक्ष की माला डाले उस महिला साधु को देख वह कुछ डर सी गई। बोली, 'कौन हैं मैडमजी ये?' 'अरे राधिका! ये हैं श्री-श्री 8004 महामंडलेश्वर साध्वी आनंदेश्वरी माता, मेरी गुरुजी, बहुत पहुंची हुई हैं। अभी-अभी प्रयागराज में जो 144 साल बाद महाकुंभ हुआ था न, उसी से साधना कर लौटी हैं।ज्हमारी ये गुरु माता जी, पता है सारे काम अपनी साधना से चुटकियों में कर देती हैं।' 'अरे छोड़ो मैडम जी, आपकी रसोई में जो सात दिन के बर्तन गंदे पड़े हैं, उन्हें न मांज पाएंगी ये, अपनी साधना से।ज्अब मैं जब सात दिनों से आई नहीं थी और आपने पूरी रसोई जूठे बर्तनों से भर रखी है।ज्ये पहले आई होतीं, तो मुझे भी कुछ सहारा हो जाता। खैर।ज्अच्छा।ज्ये बताओ साधु मैडम जी! आप हमारी इन मैडमजी की रसोई में गंदे पड़े सौ बर्तनों को अपनी साधना शक्ति से कितने दिनों में मांज सकती हैं?' 'दिन नहीं. बच्चा! बस कुछ मिनटों में।' साध्वी माता बोलीं। 'मिनटों में नहीं, आप घंटों में ही कर दीजिए। मुझे भी आज कुछ सुख हो जाएगा।' '15 मिनट एकाग्र होने में, 15 मिनट अपनी सांसों को रोकने में और 15 मिनट कुंडलिनी-जागरण में और बस 45 मिनट में सारे बर्तन साफ।' साध्वीजी कह रही थीं। 'अच्छा तो मैडमजी! आपकी ये साधु माता अपना बर्तन-मांज-सफाई-प्रदर्शन-कार्यक्रम यहीं ड्राइंग रूम में सम्पन्न करेंगी या किचन में जाकर?' अपनी मालकिन से अच्छी खासी हिंदी सीख चुकी राधिका बोली। 'अरे राधिका! साध्वी माता को वहां नहीं जाना होता, जहां काम चाहिए।ज्ये अपनी साधना से, इसी कमरे में ही अपने आसन से, सारा काम मिनटों में निपटा देंगी।'

'चलिए तो ठीक है, आप इनसे बर्तन साफ करवाइए, तब तक मैं आप दोनों के लिए चाय बनाती हूं।' कहते हुए राधिका किचन में चली गई। साध्वी मैडम के लिए एक आसन मंगवाया गया और वो साधना में उतर चलीं अगले कमरे में, वेरी डीप। एक घंटे बादज। 'अरी राधिका, अब चाय ले भी आ और देख किचन में सारे बर्तन साफ भी हो गए होंगे।' इस पर किचन से निकलती राधिका बोली, 'मैं चली मैडम जी।ज्चाय अब खुद ही बना लेना। देखो, मेरे कपड़े भी आगे से सारे गीले हो गए।जकितनी बार कहा आपसे, स्लैब का फ्लो नल की तरफ करवा लो। अच्छा, थोड़ी सी क्रीम देना। विम भी बढिया वाला मंगवा लीजिए। सारे हाथ फट गए हैं मेरे, इतना सारा काम करते-करते।' कहते हुए राधिका ने पास की टेबल से क्रीम उठाई और हाथों पर क्रीम मलती हुई, गर्दन से टपकते अपने पसीने को अपने पल्लू से पोंछती, दरवाजा-गर्दन साथ-साथ मारती निकल गई। राधिका का पसीना, वहीं फर्श पर टपका पड़ा, सब कुछ देख रहा था। साध्वी जी की साधना टूटी। 'चलो बेटा, तुम्हारी रसोई में देख लेते हैं कि बर्तन साफ हो गए कि नहीं?' रसोई चकाचक चमक रही थी। 'जय हो माता, जय हो आपकी।ज्आपकी साधना से मेरे सात दिनों के बर्तन बस एक घंटे में साफ हो गए।' कहते हुए मालकिन मैडमजी साध्वी माता के पैरों में लोट गईं। 'पर ये कैसे हुआ गुरु माता?' 'कुछ नहीं, ये तो हमारी साधना का कमाल है बेटी, तुम्हारी रसोई भई चकाचक वाया मेरी साधना।' अब चाय नहीं, गिलास भर दूध और पनीर के पकौड़े खाने-पीने में व्यस्त साध्वी माता, काश! दरवाजे पर कामवाली बाई की मेहनत से गिरे पसीने की बूंदों का अर्थ भी अपनी साधना से समझ गई होती तो इस देश की नैया अब तक सचमुच पार लग गई होती।

> कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज के युग की सबसे प्रभावशाली और परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक बन चुकी है। यह हमारे जीवन के हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है- शिक्षा, चिकित्सा, संचार, मनोरंजन और प्रशासन तक। लेकिन तकनीक जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तीव्रता से उसके दुरुपयोग की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। इन्हीं में से एक गंभीर चुनौती है–डीपफेक और सिंथेटिक मीडिया का प्रसार। डीपफेक का अर्थ है ऐसी ऑडियो, वीडियो या छवि जो एआई की मदद से इस तरह बनाई जाती है कि वह पूरी तरह वास्तविक प्रतीत होती है।

एआई और डीपफेक की चुनौती: नवाचार रोके बिना जवाबदेही कैसे सुनिश्चित करें

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी व्यक्ति का चेहरा बदल देना, उसकी आवाज़ की हूबहू नकल करना या किसी घटना का झूठा वीडियो तैयार करना- अब कुछ ही मिनटों का काम रह गया है। इस तकनीक के माध्यम से किसी के खिलाफ फर्जी वीडियो बनाना, राजनीतिक प्रचार में झूठ फैलाना या किसी महिला की तस्वीर से छेड़छाड़ अत्यंत आसान हो गया है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहाँ सोशल मीडिया का प्रभाव करोड़ों नागरिकों तक है, डीपफेक का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। कुछ सेकंड का झूठा वीडियो समाज में अविश्वास, नफरत या भ्रम फैला सकता है। यह केवल नैतिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बनता जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस चुनौती का कोई संतुलित समाधान संभव है? क्या तकनीक को रोका जाए या उसके साथ जिम्मेदारीपूर्वक चलना सीखा जाए? यही प्रश्न आज के डिजिटल भारत के सामने सबसे बड़ा नीति-संकट बन गया है।

भारत सरकार ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए हाल में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने सिंथेटिक सामग्री की अनिवार्य लेबलिंग का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत यदि कोई सामग्री कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई है या उसमें एआई का हस्तक्षेप हुआ है, तो उसे एआई जनित या सिंथेटिक के रूप में स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा। इस कदम का उद्देश्य है पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना, ताकि उपयोगकर्ता यह जान सके कि जो वह देख या सुन रहा है, वह असली है या कृत्रिम रूप से निर्मित। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, वीडियो में ऐसा लेबल दृश्यमान रूप से दिखना चाहिए, ऑडियो में शुरुआती हिस्से में इसे सुनाई देना चाहिए और छवियों में भी यह टैग या वॉटरमार्क के रूप में मौजूद रहना चाहिए। यह नीति नवाचार रोकने के लिए नहीं बल्कि समाज में भरोसा कायम रखने के लिए है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सामग्री निर्माताओं के लिए यह नियम न केवल कानूनी दायित्व बनेगा बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी। सरकार का कहना है कि इस कदम से उपयोगकर्ता स्वयं निर्णय ले सकेगा कि वह किस सामग्री को विश्वसनीय माने और किसे नहीं। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी क्रिएटर या प्लेटफॉर्म यदि जानबूझकर बिना लेबल की एआई जनित सामग्री प्रसारित करेगा तो उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह पहल भारत को वैश्विक स्तर पर जिम्मेदार डिजिटल राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत कर सकती है क्योंकि अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में भी ऐसी नीतियों पर विचार चल रहा है।

सिंथेटिक सामग्री की लेबलिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पारदर्शिता लाती है और नागरिकों को सूचित निर्णय लेने की क्षमता देती है। जब किसी वीडियो या चित्र पर यह स्पष्ट लिखा हो कि यह एआई जनित है, तो दर्शक उसे पूरी तरह वास्तविक मानने की गलती नहीं करेगा। इससे फेक न्यूज़, अफवाहों और राजनीतिक दुष्प्रचार के प्रसार पर नियंत्रण पाया जा सकता है। यह लेबलिंग प्रणाली एक प्रकार का डिजिटल सावधानी संकेत बन जाएगी, जो लोगों को भ्रामक सामग्री से बचने में मदद करेगी। इसके अलावा यह कदम उन क्रिएटर्स के लिए भी उपयोगी है जो जिम्मेदारी से एआई का प्रयोग करना चाहते हैं। जब हर सामग्री को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना आवश्यक होगा, तो कोई भी व्यक्ति बिना जिम्मेदारी लिए गलत उद्देश्य से एआई का उपयोग नहीं कर पाएगा। इससे नैतिक डिजिटल वातावरण का निर्माण होगा। साथ ही, यह नीति तकनीकी उद्योग के लिए भी अवसर लेकर आएगी क्योंकि इससे ऐसे नए टूल्स, डिटेक्शन सिस्टम और एथिकल एआई तकनीकों की मांग बढ़ेगी जो यह सुनिश्चित करें कि कौन-सी सामग्री एआई जनित है और कौन-सी नहीं। परंतु यह कहना भी आवश्यक है कि इस नीति की सफलता केवल सरकार के नियमों पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि समाज की डिजिटल साक्षरता पर भी। यदि नागरिक स्वयं एआई तकनीकों की प्रकृति को नहीं समझेंगे, तो लेबल का अर्थ उनके लिए मात्र एक औपचारिकता बन जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि लेबलिंग के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता अभियान भी चलाए जाएँ ताकि आम लोग सच और कृत्रिमता में फर्क करना सीख सकें।

इस नीति का उद्देश्य सराहनीय है लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी कई व्यावहारिक चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि आखिर सिंथेटिक सामग्री की परिभाषा क्या होगी। आज अधिकांश डिजिटल सामग्री मिश्रित रूप में होती है- जहाँ कुछ हिस्सा मानव द्वारा बनाया जाता है और कुछ एआई द्वारा। क्या ऐसी सामग्री भी पूरी तरह एआई जनित मानी जाएगी? इसके अलावा, यह तकनीकी रूप से बहुत कठिन है कि हर अपलोड होने वाली सामग्री का निरीक्षण किया जाए और यह प्रमाणित किया जाए कि उसमें एआई का उपयोग हुआ है या नहीं। भारत जैसे विशाल देश में, जहाँ हर दिन करोड़ों वीडियो, छवियाँ और ऑडियो फाइलें सोशल मीडिया पर अपलोड होती हैं, वहाँ मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग एक दुष्कर कार्य है।

दूसरा, छोटे और मध्यम स्तर के क्रिएटर्स तथा स्टार्टअप्स के लिए यह नियम आर्थिक बोझ बन सकता है। यदि लेबलिंग की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल या महंगी होगी तो नवाचार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। तीसरा, इस नीति से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। कोई कलाकार यदि एआई का उपयोग केवल रचनात्मक प्रयोग के रूप में करता है तो क्या उसे भी कठोर नियमों का पालन करना होगा? इसलिए यह ज़रूरी है कि नीति में लचीलापन हो और उसे विषय-वस्तु की प्रकृति के अनुसार लागू किया जाए। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों- जैसे राजनीति, चुनाव, सामाजिक या धार्मिक मुद्दों में सख्त नियम लागू किए जाएँ, जबकि कला, शिक्षा या अनुसंधान के क्षेत्र में थोड़ी छूट दी जाए।

अंततः, यह स्पष्ट है कि डीपफेक और एआई जनित सामग्री केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी है। सिंथेटिक मीडिया की अनिवार्य लेबलिंग इस दिशा में एक आवश्यक और दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल नागरिकों को सुरक्षा मिलेगी बल्कि डिजिटल दुनिया में विश्वास भी पुनः स्थापित होगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि एआई को नियंत्रित कर नवाचार को बाधित किया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि नवाचार और जवाबदेही के बीच संतुलन बना रहे।

एआई का उद्देश्य मानवता की सेवा है, न कि भ्रम फैलाना या समाज में अविश्वास पैदा करना। इसलिए सरकार, तकनीकी कंपनियों, क्रिएटर्स और नागरिक समाज- सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से हो। डिजिटल साक्षरता, नैतिक दिशानिर्देश, और निरंतर संवाद इस प्रक्रिया के तीन प्रमुख स्तंभ होने चाहिए। साथ ही, नियमों की समीक्षा समय-समय पर की जाए ताकि वे तकनीकी प्रगति के अनुरूप बने रहें। यदि भारत इस नीति को विवेक, संवेदनशीलता और संतुलन के साथ लागू करता है, तो यह न केवल देश के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित करेगा, बल्कि दुनिया के सामने जिम्मेदार एआई शासन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करेगा। डीपफेक से उपजी चुनौती का उत्तर दमन नहीं बल्कि समझदारी और नैतिक तकनीकी नीति है। यही दृष्टिकोण भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में वास्तविक नेतृत्व प्रदान कर सकता है- ऐसा नेतृत्व जो सत्य, पारदर्शिता और मानवता पर आधारित हो।

मानवीय आवश्यकता है धर्म

> धर्म किसी भी व्यक्ति की भौतिक जरुरतों की पूर्ति नहीं करता है। किन्तु फिर भी धर्म प्रत्येक व्यक्ति के लिये एक परमावश्यक तत्व है इसका कारण है धर्म मानव मात्र को आत्मशान्ति और सभ्यता प्रदान करता है। आत्म शान्ति और सभ्यता दोनों मानव की ऐसी अध्यात्मिक आवश्यकताएं है कि यदि वे दो न हों तो करोड़ों का स्वामी ऐसा धनाढ्य व्यक्ति भी पशुता के रूप में ही जीता है। मानवता के दायरे में वह प्रवेश ही नहीं कर पाता ।

कांतिलाल मांडोत

रुस कट्टर कम्युनिज्म का हिमायती राष्ट्र था और सारे विश्व में कम्यु निज्म का नैतृत्व करता था किन्तु कम्युनिज्म ने एक सबसे बड़ी भूल की धर्म को - नकार कर । धर्म को नकार ने से मानव की चेतना में आत्म विश्वास ही समाप्त हो गया । समुचित मानवीय सभ्यता का विकास भी नहीं हो पाया। परिणाम यह रहा कि सारा राष्ट्र ही बिखर गया । कम्युनिज्म एक असफल विचार धारा के रूप में चारों तरफ से ठुकराया जाने लगा ।आप और हम सभी जानते हैं कि कम्युनिज्म भी एक सुव्यवस्थित समानाग्रही व्यवस्था है। वह हर्गिज असफल नहीं होती यदि धर्म को नकारा न होता । धर्म को साथ रख कर कम्युनिज्म बहुत वर्षों तक मानव को व्यवस्था दे सकता था किन्तु वह ऐसा नहीं कर सका उसका परिणाम सामने हैं ।

यह भी हम जानते हैं कि धर्म का सत्य स्वरुप तो प्रायः छुप सागया है धर्म के नाम पर साम्प्रदायिक व्यवस्थाएं विधि विधान ही अधिक व्याप्त है। इन साम्प्रदायिक कट्टरता से पृथ्वी पर खून खराबा भी कम नहीं हुआ है किन्तु जैसे बादलों के पीछे छुपजाने पर भी सूर्य जब तब किसी तरह बाहर आकर प्रकाश फैला ही देता है ऐसे ही साम्प्रदायिक अभिनिवेशों के बावजूद धर्म अपना रूप समाज में प्रकट करता ही रहा है। वह सर्वथा निः शेष कभी नहीं होता ।

कहीं न कहीं वह मानव में मानवता नैतिकता करुणा शील सदाचार आदि उदात्त भावों का सर्जन करता ही है। टूटी मानवता की कडियों को धर्म ही जोड़ता है। धर्म की मानव के लिये सार्वत्रिक उपयोगिता सर्वदा रही है और भविष्य में भी रहेगी ।

संकीर्णता अधर्म है विष है–पानी छोटे से पोखर में भी पाया जाता है किन्तु वह प्रायः गन्दा और दुर्गन्ध पूर्ण होता है किन्तु सरोवर में पाया जाना वाला पानी स्वच्छ और अधिक उपयोगी होता है। पोखर छोटा और सरोवर विशाल होता है।मानव का मन भी प्रायः दो तरह का होता है। क्षुद्र और विशाल । क्षुद्र हृदय व्यक्ति बहुत सीमित दायरे में सोचता है। ऐसे व्यक्ति प्रायः कट्टर होते है वे औरों के प्रति असहनशील और ईर्ष्या ग्रस्त होते हैं। सरोवर की तरह उदार हृदय व्यक्ति विशाल दृष्टि कोण लेकर चलते हैं। सहिष्णुता उनकी मुख्य विशेषता होती है। वे अपना ही नहीं सभी का अभ्युदय चाहते हैं। संकीर्ण मनोवृत्ति से दूर रहते हैं। ऐसे व्यक्ति समाज और मानवता के लिये वरदान स्वरुप होते हैं।

धर्म मूलत, विशाल हृदयी व्यक्ति तैयार करने का काम करता है। मित्ति में सब्ब भूएसु, सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे धर्म के मौलिक सूत्र है जिन में संकीर्णता का कोई नामो निशान नहीं है किन्तु जब से धर्म में संप्रदायें प्रबल हुई है। धर्म के स्वरुप को भी संकीर्ण बनाने का प्रयत्न किया जाने लगा। संकुचित मनोवृत्ति वाले व्यक्ति साम्प्रयादिकता के ज्यादा पक्ष धर बने रहे उन्होंने धर्म की सारी व्यवस्थाओं को कट्टरता और संकीर्णता के घेरे में बांध लिया। केवल हम और हमारा ये ही ठीक है शेष सभी व्यर्थ है। संकीर्णता की इस भावना ने धर्म की सार्वभौमिकता को तोड़ कर जन जन में भेद भाव की खाई खड़ी कर दी।

अन्य धर्म संप्रदायों की बात छोड़िये । जैन धर्म को ही ले लीजिये श्वेताम्बर दिगम्बर स्थानक वासी मूर्ति पूजक तेरा पंथी आदि बड़े बड़े विभाग तो है ही इसमें भी संप्रदाय और उप संप्रदायों का एक विशाल समूह खड़ा है। उनके अनुयायी अपनों से भिन्न औरों को हीन दृष्टि से देखा करते हैं। अवसर मिलते ही एक दूसरे का विरोध और खंडन करने में भी तत्पर रहेंगे।

मान्यता भेद का जहां तक प्रश्न है वह हो सकता है और है भी इस से मैं इन्कार नहीं करता किन्तु मान्यताओं के उपरान्त भी एक धार्मिकता तो बराबर बनी ही रहनी चाहिये जो मान्यता भेद की उपस्थिति में भी पारस्परिकता को बचाकर रख सके । कट्टरता में इस तरह तो अन्धे न बने कि अन्यवर्ग के साधु साध्वी तक का अपमान और निन्दाकर बैठें। कट्टरता एक विष है जो धर्म जगत को उद्वेलित और अशान्त किये रहता है। इस विष से प्रत्येक धार्मिक को बचना चाहिये।

अन्धकार है अज्ञानता–कुछ व्यक्ति अज्ञानता के पक्ष धर रहते हैं वे कहते है अज्ञानी बना रहता अच्छा है। इसमें पाप कम लगता है। ज्ञानी बनकर फिर कोई पाप करेगा तो वह अधिक दोषी होगा, क्यों कि वह तो जानता है। जानते हुए जहर खा रहा है तो वह तो अधिक दोषी है ही। हम कुछ भी न समझें, न समझने का, जानने का यत्न करें। अनजान में सारे पाप होंगे। अनजाने को तो भगवान भी माफ कर देते हैं ऐसी बातें होती है अज्ञानियों की। ये बातें एकान्त मूर्खता पूर्ण और हेय है।

अज्ञानता में किया पाप कम नहीं होता है और न कोई ईश्वर उसे माफ करता है। अज्ञानता में खाया जहर भी मौत की खाई में डाल ही देगा चाहे व्यक्ति अनजान ही क्यों न बना रहे। जिसने जान कर जहर खा लिया है वह तो तत्काल उसका उपचार भी कर सकता है किन्तु अनजाने में खाया वह अपना क्या उपचार करायेगा उसे पता ही नहीं कि उसने कौनसा जहर खा लिया है।

ज्ञान और क्रिया जीवन की ये विशेष प्रवृतियां हैं। ज्ञान मस्तिष्क का विषय है ज्ञान से वस्तु स्वरुप की समझ मिलती है। क्रिया आचरण को कहते हैं। दोनों की क्षमता सभी प्राणियों में समान नहीं होती है। किसी में ज्ञान की क्षमता अधिक पाई जाती है किन्तु आचरण की क्षमता कम होती है किसी में आचरण की क्षमता अधिक होती है किन्तु ज्ञान वह अधिक नहीं कर पाता है। इस तरह हम देखते हैं कि ये दोनों तत्व सभी में समान नहीं होते ।जीवन में आचरण का महत्व तो है ही किन्तु उस से भी कहीं अधिक महत्व है ज्ञान का ।

ज्ञान विस्तृत और तत्व स्पर्शी होना चाहिये। यह अत्यन्त जरुरी है चाहे तदनुरुप आचरण न भी कर पाये ।आचरण की भूलों का समाधान या उस की कमी की पूर्ति तो कभी भी होजाना आसान रहता है किन्तु ज्ञान की कमी का निराकरण होना बहुत कठिन होता है अतः - तत्व स्पर्शी सम्यक् ज्ञान पहले होना चाहिये । आचरण बाद की बात है।

गुजरात में मोदी-शाह को बस्तर का विकास दिखाएंगे रिखी, गौर नृत्य से होगी शुरुआत

भिलाई, एजेंसी। प्रख्यात लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय व उनका समूह छत्तीसगढ़ बस्तर की तरक्की को गौर नृत्य के माध्यम से समूचे देश को दिखाएगा। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के आयोजनों की श्रृंखला में राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एकता नगर गुजरात में 31 अक्टूबर को होने जा रहा है। खास बात यह कि इस आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी रहेगी। यहां देश भर से 7 राज्यों के चुनिंदा सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। जिसमें लोकवाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय और उनका समूह छत्तीसगढ़-बस्तर की झांकी संग गौर नृत्य की प्रस्तुति देगा। रिखी व उनका समूह बुधवार को भिलाई से गुजरात के लिए रवाना हो गया है। उल्लेखनीय है कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के दो साल के समारोह की शुरुआत पिछले वर्ष 31 अक्टूबर 2024 को हुई थी। इसी कड़ी में इस वर्ष 31 अक्टूबर को भव्य आयोजन होने जा रहा है।

इस झांकी के साथ रिखी क्षत्रिय का समूह गुजरात में 02 नवम्बर तक एकता नगर, गुजरात में रहेगा। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से इस संबंध में रिखी क्षत्रिय के नाम पत्र जारी किया गया है। जिसके मुताबिक जनसंपर्क संचालनालय की ओर से सहायक जनसंपर्क अधिकारी तेज बहादुर सिंह भुवाल टीम लीडर होंगे।

रक्षा/गृह मंत्रालय की समिति ने किया है चयन:गुजरात में प्रदर्शित होने वाली छत्तीसगढ़ राज्य की झांकी की थीम ''बस्तर की धरती-संस्कृति, सृजन और प्रगति की गाथा÷ है। इसका चयन रक्षा/गृह मंत्रालय भारत सरकार की विशेषज्ञ समिति ने किया है। इस महत्वपूर्ण अवसर को देखते हुए रिखी क्षत्रिय व उनकी टीम ने भी खूब मेहनत की है। कुहूकी कला ग्राम मरोदा सेक्टर में इस विशेष प्रस्तुति के लगातार अभ्यास चलता रहा। रिखी क्षत्रिय ने बताया कि झांकी में गौर नृत्य की प्रस्तुति होगी, जिसके लिए वहां जाने वाले दल के सभी कलाकारों ने तैयारी की है। गुजरात जाने वाले कलाकारों में प्रदीप ठाकुर बालोद, भीमेश सतनामी बेमेतरा, सुनील कुमार बालोद, पारस रजक कैंप दो भिलाई, वेद प्रकाश बालोद, प्रियंका साहू कुम्हारी दुर्ग, हेमा पाटन, तुलसी ध्रुव भिलाई चरोदा, लीना ध्रुव भिलाई चरोदा, नेहा देवांगन कैंप-2 और सीमा विश्वकर्मा कलंगपुर बालोद शामिल हैं।

चेतावनी के बावजूद देर रात डीजे बजाने पर सिस्टम जब्त, राजसात की तैयारी

कबीरधाम, एजेंसी। जिले में पुलिस की सख्ती के बावजूद कुछ डीजे संचालक नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। शनिवार रात गुप्ता पार, कवर्धा में भोले भंडारी डीजे संचालक अनिकेत धुर्वे ने रात 11.30 बजे तक तेज़ आवाज़ में डीजे बजाया, जिससे आसपास के लोगों को भारी असुविधा हुई। सूचना मिलते ही थाना कवर्धा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए डीजे साउंड सिस्टम और वाहन को मौके पर ही जप्त कर लिया। अब डीजे सिस्टम को राजसात करने और जुर्माना लगाने की कार्यवाही न्यायालय में की जा रही है। इससे पहले भी 18 और 24 अक्टूबर को दो अन्य डीजे संचालकों पर कार्यवाही की जा चुकी है। इनमें से एक डीजे सिस्टम को न्यायालय ने राजसात करने और वाहन स्वामी पर अर्थदंड लगाने के आदेश दिए थे, जबकि दूसरे मामले में सुनवाई जारी है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह (IPS) ने सभी डीजे संचालकों को पहले ही स्पष्ट चेतावनी दी थी कि रात 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार का डीजे या धुमाल नहीं बजाया जाएगा। इसके बावजूद नियम तोड़ने वालों के खिलाफ अब बिना किसी रियायत के कार्रवाई की जा रही है। कबीरधाम पुलिस ने कहा है कि यह कार्रवाई सभी आयोजकों और डीजे संचालकों के लिए कड़ी चेतावनी है। अगर आगे भी किसी ने ध्वनि प्रदूषण फैलाया या नियमों का उल्लंघन किया, तो सीधी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। पुलिस का उद्देश्य नागरिकों की शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना है, और यह अभियान उसी संकल्प का हिस्सा है।

महाकाल मंदिर सिंघौला में 56 भोग महा प्रसादी का भव्य आयोजन

राजनांदगांव, एजेंसी। महाकाल मंदिर सिंघौला में बुधवार को सुबह 11.30 बजे से दोपहर 4 बजे तक 56 भोग महा प्रसादी का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन भक्तों के लिए आस्था और आनंद का विशेष अवसर होगा। महाकाल भक्त पवन डागा ने मंदिर भक्तों को जानकारी देते हुए अपील की है कि वे समय पर पधारकर इस महाप्रसादी में सम्मिलित होकर धार्मिक लाभ और आनंद प्राप्त करें। इस अवसर पर 56 भोगों प्रसाद का विशेष अर्पण किया जाएगा, जिसमें सामूहिक भक्ति और महाकाल की आराधना का अनोखा अनुभव होगा। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए परंपरा और संस्कृति के संरक्षण का भी संदेश देता है।

श्रद्धालुओं के लिए निर्देश

भक्तों से अनुरोध है कि वे आयोजन स्थल पर समय का ध्यान रखें और अनुशासन के साथ समारोह में भाग लें, ताकि सभी को सुचारू रूप से महाप्रसादी का लाभ मिल सके। धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर हमारी सांस्कृतिक परंपरा और आस्था को मजबूत बनाएं।

डिप्टी सीएम शर्मा के प्रयासों से कवर्धा के 15 ग्रामों में सीसी सड़क निर्माण की मिली स्वीकृति

कवर्धा, एजेंसी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना के तहत ग्रामीण सड़कों को सुदृढ़ बनाने दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजय शर्मा के निरंतर प्रयासों से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 15 ग्रामों में कुल 7.40 किलोमीटर लंबाई की सीमेंट कांक्रीट सड़क सह नाली निर्माण कार्य हेतु रू. 618.76 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के ग्रामवासियों को कच्ची, धूल-मिट्टी और कीचड़ युक्त सड़कों की समस्या से मुक्ति मिलेगी तथा स्वच्छ और सुगम ग्रामीण परिवेश का निर्माण होगा।

उप मुख्यमंत्री शर्मा के विशेष प्रयासों से कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 15 ग्रामों बैहरसरी, बम्हनी, मजगांव (ग्राम पंचायत चंदैनी), कोठार, गुलालपुर, सैगोना, गुलालपुर, सारंगपुरखुर्द, नेवारी, बंदौरा, मोहगांव, खाम्ही, रौचन, अमरौड़ी, सरेखा एवं पालीगुढ़ा में कुल 7.40 किलोमीटर लंबाई की सीमेंट कांक्रीट सड़क सह नाली निर्माण कार्य हेतु रू. 618.76 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना का भूमिपूजन उप मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा अतिशीघ्र किया जाएगा, जिसके उपरांत निर्माण कार्य प्रारंभ कर पूर्ण किया जाएगा। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामों की गलियों में धूल, मिट्टी और कीचड़ की समस्या से राहत मिलेगी तथा ग्रामीण परिवेश और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर बनेगा। ग्राम गौरव पथ योजना की इस स्वीकृति से संबंधित ग्रामों में हर्ष का वातावरण है। ग्रामवासियों ने उप मुख्यमंत्री शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से गाँवों में विकास की नई दिशा मिल रही है।

इस योजना के माध्यम से ग्राम स्तर पर न केवल बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण होगा, बल्कि स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर गाँवों के निर्माण की दिशा में भी यह एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

कांकेर में 13 महिला समेत 21 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर, एजेंसी। 'पूना मारगेम', पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल के तहत कांकेर ज़िले में रविवार को 21 माओवादियों ने हथियार के साथ आत्मसमर्पण करते हुए समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। ये सभी कैडर केशकाल डिवीजन (नॉर्थ सब ज़ोनल ब्यूरो) के कुएमारी किसकोडो एरिया कमेटी से जुड़े थे। आत्मसमर्पण करने वालों में डिवीजन कमेटी सेक्रेटरी मुकेश सहित कई वरिष्ठ माओवादी शामिल हैं।इनमें 04 डीवीसीएम (डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर) 09 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) 08 पार्टी सदस्य शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वालों में 13 महिला और 8 पुरुष कैडर हैं, जिन्होंने वर्षों से चली आ रही हिंसक विचारधारा को त्यागकर शांति और विकास की राह चुनी है। जमा किए गए हथियारों में 03 एके-47 रायफलें, 04 एसएलआर रायफलें, 02 इंसास रायफलें, 06 .303 रायफलें, 02 सिंगल शॉट रायफलें, 01 बीजीएल शामिल हैं।

महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने कार्यशाला

जांजगीर-चांपा, एजेंसी। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने जागरूकता सत्र सह कार्यशाला का आयोजन परियोजना बम्हनीडीह अंतर्गत सेक्टर सरहर, परियोजना बलौदा अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं परियोजना पामगढ़ अंतर्गत भुईगांव सेक्टर में आयोजित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि कार्यशाला में छोटे पैमाने पर घर या झोपड़ी में परिवार के सदस्यों द्वारा कम पूंजी और साधारण औजारों की मदद से संचालित किए जाने योग्य व्यवसायों की जानकारी देते हुए प्रोसेस फुड जैसे नमकीन चिप्स, आटे, बेसन, मैदे से बनाए जाने वाले नमकीन एवं मीठे खाद्य पदार्थ तैयार करने, डिब्बाबंद सामाग्री एवं ऐसे खाद्य सामग्रियो जिसमें आचार, पापड़, बड़ी बिजौड़ी आदि का अलग-अलग ऋतुओं मे प्रसंस्कृत कर उपयोग में लाने एवं अपने व्यवसाय का माध्यम बनाने की जानकारी दी गई। सूक्ष्म एवं वृहद स्तर पर समूहों को लाभान्वित कर सशक्त बनाने महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत ऋष्टा एवं सक्षम योजना की जानकारी दी गई। साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं योजना के उद्देश्य, बाल विवाह के दुष्परिणाम, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सहायता एवं सशक्तिकरण हेतु विभाग अंतर्गत सखी, नवा बिहान, जिला बाल संरक्षण ईकाई, हेल्पलाईन नम्बर्स 181, 1098, 108, 112, 102, आदि की जानकारी दी गई। समस्त उपस्थित लाभार्थियों के द्वारा बाल विवाह मुक्त छ0ग0, की शपथ ली गई।

स्वास्थ्य सेवाओं में नई मिसाल जिले के खड़गवां सीएचसी को मिला ISO प्रमाणपत्र

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई उपलब्धि दर्ज करते हुए सरगुजा संभाग का पहला ISO प्रमाणित कोल्ड चेन प्वाइंट बनने का गौरव मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खड़गवां ने हासिल किया है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के गृह ग्राम खड़गवां में उनके सतत प्रयासों और दिशा-निर्देशों के परिणाम स्वरूप संभव हुई है। वहीं इस सफलता के पीछे सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे के कुशल मार्गदर्शन और स्वास्थ्य विभाग की समर्पित टीम की निरंतर मेहनत का अहम योगदान रहा। कोल्ड चेन प्वाइंट खड़गवां को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकताओं के पूर्ण अनुपालन में पाया गया है, जिसके चलते इसे ISO सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया है। यह प्रमाणपत्र स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट प्रबंधन, पारदर्शिता और दक्षता का प्रतीक माना जा रहा है। इस प्रमाणन के साथ खड़गवां सीएचसी ने टीकों और रसद के सुरक्षित, वैज्ञानिक और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मानकों के अनुरूप भंडारण की नई मिसाल कायम की है। यहां सभी टीके CFC मुक्त और WHO प्रमाणित CCE तिथि वाले उपकरणों में अनुशंसित तापमान पर सुरक्षित रखे जाते हैं। आरआई टीकों और रसद की आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावी बनाने के लिए ईवीआईएन (eVIN) के माध्यम से ऑनलाइन वास्तविक समय में स्टॉक अपडेट किया जाता है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता दोनों में वृद्धि हुई है। दिन में दो बार तापमान दर्ज कर टीकों की प्रभावकारिता सुनिश्चित की जाती है, वहीं वेब-आधारित डेटा लॉगर प्रणाली से उच्चस्तरीय सतत निगरानी भी की जाती है।

टीकों की आपूर्ति में FIFO (First In First Out)) और EEFO (Earliest E&piry First Out) दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है, जिससे शून्य अपव्यय (Zero Wastage) सुनिश्चित हो रहा है। इसके अलावा, आवश्यकतानुसार VVM (Vaccine Vial Monitor) आधारित आपूर्ति प्रणाली भी लागू की गई है। टीकों के भंडारण हेतु एक अलग ICE Pack Conditioning Area, निर्बाध बिजली आपूर्ति व्यवस्था, उचित रैंकिंग सिस्टम वाला सूखा भंडारण क्षेत्र, और प्रशिक्षित व दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता से यह केंद्र सरगुजा संभाग का मॉडल स्वास्थ्य संस्थान बन गया है। कोल्ड चेन प्वाइंट में NCCMIS सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपकरणों का सटीक प्रबंधन किया जा रहा है, साथ ही टीकाकरण अपशिष्ट निपटान प्रणाली को भी वैज्ञानिक और पर्यावरण हितैषी तरीके से अपनाया गया है।

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

रायगढ़, एजेंसी। जिले में एक महिला की जंगल में मिली। महिला का शव औंधे मुंह पड़ा था। संभवना जताई जा रही है कि वन्यप्राणी को मारने के लिए लगाए गए करंट तार की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है।

पुलिस ने घटनास्थल से तार और अन्य सामान जब्त किया है। घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, जिवरी गांव की 41 वर्षीय घसनिन मांझी गुरुवार को कहीं निकली थी और घर नहीं लौट सकी।

परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। शनिवार को ग्रामीण जंगल की ओर जा रहे थे, तभी उन्होंने महिला की लाश देखी।

इसके बाद धीरे-धीरे पूरे गांव में इसकी खबर लग गई और काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचकर मामले की सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाकर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला की मौत शिकारियों के जंगली जानवर का शिकार करने के लिए लगाए गए करंट तार की चपेट में आने से होने की संभावना है। पुलिस ने घटना स्थल से शिकार में इस्तेमाल किए गए तार और अन्य सामान जब्त कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

राज्योत्सव : आयोजन सुनिश्चित करने अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

बालोद, एजेंसी। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के आदेशानुसार बालोद जिले में 02 से 04 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव समारोह के सफल आयोजन सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी आदेश में समारोह के सफल आयोजन हेतु अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक को नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्राची ठाकुर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल को सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता को मंचीय व्यवस्था, फ्लैक्स एवं आवश्यक टेंट पंडाल, दो स्वागत द्वार की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण मण्डल एवं अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (विद्युत यांत्रिकी) को विद्युत व्यवस्था, लाईटिंग, माईक व्यवस्था, सहायक संचालक उद्यानिकी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को फुलमाला, गुलदस्ता, गमला, स्वागत द्वार व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को स्वास्थ्य सुविधा, जिला सेनानी होमगार्ड को फायर ब्रिगेड, मुख्य नगरपालिका अधिकारी बालोद को साफ-सफाई की व्यवस्था, जिला खनिज अधिकारी को मुख्य कार्यक्रम स्थल पर मैदान समतलीकरण की जिम्मेदारी सौपीं गई है। इसी तरह सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं जिला शिक्षा अधिकारी को सांस्कृतिक कार्यक्रम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी बालोद को कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह जिला आबकारी अधिकारी, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता को सांस्कृतिक कार्यक्रम के कलाकारों की भोजन व्यवस्था, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बालोद के कार्यपालन अभियंता को सांस्कृतिक दल मोमेंटो, प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र की व्यवस्था, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जिला परिवहन विभाग एवं जिला मिशन समन्वयक को कलाकारों को लाने व ले जाने हेतु वाहन की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह जिला खाद्य अधिकारी को मंच पर स्वल्पाहार, उप संचालक, पंचायत को आमंत्रण पत्र, छपाई, वितरण, सभी तहसीलदारों को आमंत्रण पत्र वितरण, जिला मिशन समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन को मंच संचालन, उद्घोषक, वन मंडलाधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक बास-बल्ली की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग, जिला पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, स्वास्थ्य विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, सी.एस.एस.डी.ए. विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, जिला पंचायत एन.आर.एल.एम., पशु चिकित्सा विभाग, शक्कर कारखाना, खादी ग्रामोद्योग हथकरघा, राजस्व विभाग, उद्योग विभाग, जिला अंत्यावसायी विभाग, नगरपालिका परिषद बालोद, वन विभाग, जनसम्पर्क विभाग को प्रदर्शनी हेतु स्टॉल की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी बालोद को कार्यपालिक मजिस्टेऊट ड्यूटी लगाने, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल की संपूर्ण व्यवस्था, जिला शिक्षा अधिकारी बालोद को मंच पर मां सरस्वती की फोटो, दीप प्रज्वलन की व्यवस्था, उप संचालक पंचायत जिला पंचायत को स्टाल का वितरण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालोद को फुड जोन एवं सभी विभाग प्रमुखों को विभागीय योजनाओं के बैनर, फ्लैक्स, पोस्टर लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उप मुख्यमंत्री ने जिले के सुदूर वनांचल ग्राम कच्चापाल का किया निरीक्षण

गांव के चौपाल में ग्रामीणों को अपने जमीन का पट्टा बनाने का दिया सुझाव अब हो रहा ग्रामों में विकास कार्य

नारायणपुर, एजेंसी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने एकदिवसीय प्रवास पर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम कच्चापाल पहुंचे। जहां उन्होंने सीआरपीएफ के कैम्प का निरीक्षण किया। उन्होंने कैम्प में जवानों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने जवानों को कठिन परिस्थितियों और मुश्किलों के बाद भी लाल आतंक को जड़ से उखाड़ने के लिए किए जा रहे कार्यो की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह आप लोगों के साहस और संवेदनशीलता का ही परिणाम है कि आज राज्य के कई जिले अब नक्सल आतंक से मुक्त हो गए हैं।

ग्रामीणों को अपने जमीन का पट्टा बनाने का दिलाया भरोसा: उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने जनचौपाल लगाकर कच्चापाल के ग्रामीणों से सीधी चर्चा भी की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कच्चापाल के सरपंच श्रीमती रजमा नुरेटी ग्राम के जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत में कुल नौ गांव है, जिसकी जनसंख्या 1235 है। कच्चापाल तक पक्की सड़क मार्ग पहुंच गई है जिससे जिला मुख्यालय तक आवागमन सुगम हो गया है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि गांव में कैंप खुलने के बाद यहां आमूल चूल परिवर्तन आया है। कई सालों तक नक्सलियों ने गांव तक बिजली, पेयजल, सड़क जैसी आधारभूत सुविधाओं को आने से रोका, शिक्षा का प्रकाश फैलाने वाले शिक्षादूतों को मारा लेकिन अब हमारे ग्राम तैयार हैं, हम सभी को मिलकर गांव के विकास के लिए कार्य करना है। सरकार भी क्षेत्र के सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध होकर लगातार कार्य कर रही है ताकि यहां के लोगों को अपने वन उत्पादों का उचित मूल्य एवं शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। इस अवसर पर ग्रामीणों ने बताया कि अब गांव में उन्हें असल विकास का अहसास हो रहा है। हमें सभी योजनाओं का लाभ भी मिलने लगा है।

ग्रामीण अब विकास की मुख्यधारा में जुड़ने के लिए अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर संभाग के सभी जिलों में सभी जनप्रतिनिधि आदिम समाज से ही संबंधित हैं और संविधान के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसार यहां केवल आदिवासी वर्ग के लोग ही यहां जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं और सौभाग्य से हमारे राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आदिवासी वर्ग से ही हैं। ऐसे में यदि कोई भोले भाले ग्रामीणों को बहकाकर हिंसा के मार्ग पर ले जाता है, शिक्षा कार्य करने वाले शिक्षादूतों की हत्या करता है, तो वह आपको मार्ग से भटकाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा वनांचल वासियों के विकास के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रहीं है।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने लोगों से आह्वाहन करते हुए कहा कि वे अपने गांवों के भटके युवाओं को मुख्यधारा में आने के लिए प्रोत्साहित करें। विगत दिनों दो दिन में 210 से अधिक लोग हथियार त्याग कर मुख्यधारा में शामिल हुए हैं, जिनका उनके ग्राम के गायता, पुजारी, पटेल द्वारा पारम्परिक रूप से स्वागत किया गया। शासन ने भी समर्पण करने वालों के लिए खुशी से अपनी बाहों को खोल रखा है और उनके पुनर्वास के लिए संवेदनशील पुनर्वास नीति भी तैयार की है। उन्होंने सभी को बताया कि शासन की योजना से अब नक्सल मुक्त ग्रामों के लिए एक करोड़ के विकास कार्यो की घोषणा की गई है, इससे गांव में बारहमासी सड़कें, पेयजल, परिवहन आदि की व्यवस्था की जाएगी। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्रामीण युवाओं को बस्तर ओलंपिक के टी-शर्ट का भी वितरण किया।

ग्राम कच्चापाल में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के मकान का निरीक्षण करते हुए राशि उपलब्ध कराने की जानकारी ली विदग्रही चंद्रिका वडडे और और सोनाय बाई के द्वारा शौचालय भी बनाने की बात कही निरीक्षण करते हुए होटल संचालिका श्रीमती यशोदा के दुकान पहुंचकर सामग्रियों का जायजा लिया और होटल में बनाए गए व्यंजनों का भी स्वाद चखा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सीआरपीएफ के जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके कार्यो की सराहना की। उन्होंने जवानों को कठिन परिस्थितियों और मुश्किलों के बाद भी लाल आतंक को जड़ से उखाड़ने के लिए किए जा रहे कार्यो की सराहना की और उन्हें फल भेंट किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, एसपी रॉबिंसन गुड़िया, जनपद उपाध्यक्ष ओरछा मंगडूराम नूरेटी, कुंदला के सरपंच रामजी ध्रुव, सरपंच कच्चापाल रजमा नूरेटी, जनपद सदस्य जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा में गंदा पानी पीने से बीमार महिला की मौत

परिजनों का अस्पताल में हंगामा; रजौला गांव में 400 लोग हुए थे पीड़ित

छिंदवाड़ा, एजेंसी। छिंदवाड़ा के रजौला गांव में गंदा पानी पीने से बीमार हुई 36 वर्षीय महिला की रविवार सुबह मौत हो गई। महिला दुर्गा चंद्रवंशी को परिजन शनिवार शाम जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। उन्होंने अस्पताल के गेट पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि रजौला गांव में गंदा पानी पीने से पिछले दिनों 400 से अधिक लोग बीमार हुए थे, जिसके चलते कलेक्टर ने गांव में ही अस्थायी अस्पताल बनवाया था।

बता दें कि छिंदवाड़ा के सिंगोड़ी के पास स्थित रजौला गांव में गंदा पानी पीने से पिछले दिनों 400 से अधिक लोग बीमार हो गए थे। हालात इतने बिगड़े कि छिंदवाड़ा कलेक्टर ने खुद मोर्चा संभालते हुए गांव के पंचायत भवन में ही अस्थायी अस्पताल बनवाया था, जहां दो दिनों तक ग्रामीणों का इलाज चला और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई। लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। शनिवार की शाम इसी बीमारी से पीड़ित दुर्गा चंद्रवंशी (36 वर्ष), पति स्व. नरेश चंद्रवंशी, निवासी रजौला को परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इलाज के दौरान रविवार सुबह महिला की मौत हो गई।

200 लेकर किया इलाज, स्टाफ ने नहीं दिया ध्यान: महिला की मौत के बाद परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने जिला अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का कहना है कि ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ ने इलाज के नाम पर 200 मांगे और लेने के बाद भी सही उपचार नहीं किया। पीड़ित के परिजन सागर चंद्रवंशी ने बताया कि, हमने कई बार स्टाफ को बताया कि हम रजौला गांव से आए हैं, जहां पानी की समस्या चल रही है। महिला के पेट में तेज दर्द हो रहा है, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया, सिर्फ एक बोतल चढ़ाई और ध्यान नहीं दिया।

अस्पताल गेट पर शव रखकर किया विरोध: महिला की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल के गेट पर ही शव रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे कलेक्टर से मिलने की मांग पर अड़े रहे।

सिविल सर्जन बोले- शिकायत आएगी तो करेंगे जांच: इस दौरान प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. रवि टांडेकर भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों की बात सुनी, लेकिन जब मीडिया ने सवाल किया तो उन्होंने कहा, अभी तक मेरे पास कोई शिकायत नहीं आई है। जब शिकायत आएगी, तो जांच जरूर की जाएगी।

परिजन सामने रोते रहे, प्रबंधन ने पल्ला झाड़ा: हालांकि, परिजन उनके सामने ही रो-रोकर पूरे मामले की जानकारी देते रहे, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। कोतवाली पुलिस ने घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी है। ग्रामीणों ने मांग की है कि मृतका को न्याय मिले और जिम्मेदार अस्पताल कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

28 वर्षीय युवा वकील ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सालभर पहले भी सुसाइड अटेम्प किया था; 6 महीने की बेटी है

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में एक युवा अधिवक्ता ने फांसी लगाकर जान दे दी है। मामला शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के नाकोड़ा नगर का है। 28 वर्षीय असीम जायसवाल ने शनिवार-रविवार की दरमियानी रात डेढ़ बजे के करीब अपने घर में फांसी लगा ली। आज सुबह जब परिजनों ने शव को फंदे पर लटका देखा तो वे उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर शव को मॉर्च्युरी रूम में शिफ्ट कर दिया है।

पारिवारिक विवाद के चलते इंदौर करने लगे थे प्रैक्टिस: जानकारी के मुताबिक, 28 वर्षीय असीम जायसवाल ने करीब 5 साल पहले वकालत की पढ़ाई कर इस पेशे में कदम रखा था। उनके मामा संजय जायसवाल शहर के नामी वकील हैं। शुरुआत में असीम ने खंडवा कोर्ट में प्रैक्टिस की, लेकिन बाद में इंदौर हाईकोर्ट में प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। बताते हैं कि, इंदौर जाने के पीछे पारिवारिक विवाद का मामला था। वह एक महीने पहले ही इंदौर से खंडवा शिफ्ट हुए थे। फिलहाल, आत्महत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

सालभर पहले किया था सुसाइड का प्रयास: फांसी लगाकर जान देने वाले युवा अधिवक्ता असीम जायसवाल ने सालभर पहले भी सुसाइड का प्रयास किया था। उन्होंने बकायदा एक नोट लिखकर जहर खा लिया था। समय पर इलाज मिलने के कारण तब उनकी जान बच गई थी। उस समय उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए थे।

पुलिस बोली- सुसाइड नोट नहीं मिला, 6 माह की बेटी है: कोतवाली पुलिस ने मृतक असीम का शव बरामद कर आत्महत्या के मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। घर के जिस कमरे में फांसी लगाई है, वहां छानबीन की जाएगी। मृतक के परिवार में मां, पत्नी और 6 महीने की बेटी है।

पिपरिया-पचमढ़ी मार्ग पर हादसे में दो युवकों की मौत

मटकुली से आ रहे थे बाइक सवार, झिरिया नाके के पास अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

पिपरिया, एजेंसी। पिपरिया-पचमढ़ी मार्ग पर शनिवार रात करीब 8 बजे झिरिया नाके और सिद्ध बाबा के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। स्टेशन रोड थाना प्रभारी आदित्य सैन ने बताया कि मृतकों की पहचान राम जी अहिरवार (28), निवासी हथवास, और राजकुमार पटेल (29), निवासी सांडिया रोड,पिपरिया के रूप में हुई है। दोनों युवक मटकुली से पिपरिया आ रहे थे। राजकुमार एक मोबाइल शॉप में काम करते थे, जबकि राम जी निजी फाइनेंस कंपनी से जुड़े थे।

पुलिस के अनुसार, राहगीरों ने 112 पर सूचना दी कि झिरिया नाके के पास टर्निंग पर दो युवक घायल अवस्था में पड़े हैं। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। एएसआई पंकज नामदेव ने बताया कि फिलहाल दुर्घटना किस वाहन से हुई है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और रविवार सुबह दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में नागरिक महिलाएं और परिजन सरकारी अस्पताल पहुंच गए थे।

रतलाम शहर में बिना अनुमति रैली, जुलूस पर रोक

कलेट्रेट में धरना, प्रदर्शन पर भी रोक; दो माह तक रहेगा प्रतिबंध

रतलाम, एजेंसी। रतलाम शहर में अब बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की रैली, जुलूस, धरना या प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। शहर एसडीएम आर्ची हरित ने लोक शांति बनाए रखने के लिए यह आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत, कलेक्ट्रेट कार्यालय, जिला न्यायालय और अस्पताल परिसरों में धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन देने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। यह आदेश आगामी 02 माह तक प्रभावशील रहेगा और उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्ट्रेट, कोर्ट और अस्पताल परिसर में सख्त रोक: आदेश के तहत अनुभाग रतलाम शहर की संपूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में यह आदेश प्रभावशील रहेगा। जिला न्यायालय, कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर, समस्त शासकीय कार्यालय एवं परिसरों, शासकीय जिला चिकित्सालय, मेडिकल कॉलेज एवं अन्य अस्पताल व अन्य सार्वजनिक स्थान में कोई भी दल, संघ, संगठन अथवा समूह धरना एवं प्रदर्शन नहीं करेगा। उपरोक्त स्थानों पर बगैर पूर्व अनुमति के भीड़, जमावड़ा, ज्ञापन-प्रदर्शन पर भी प्रतिबंध रहेगा। इन स्थानों पर ध्वनि विस्तार यंत्रों (लाउडस्पीकर) के उपयोग पर भी रोक रहेगी।

24 घंटे पहले लेनी पड़ेगी अनुमति: आदेश में स्पष्ट किया है कि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य अवसरों पर आयोजन के लिए अनुमति लेनी होगी। कोई भी व्यक्ति, संप्रदाय या समूह, दल को कार्यालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी, अनुभाग रतलाम शहर से 24 घंटे पूर्व वैधानिक अनुमति प्राप्त करना होगी।

बिना अनुमति प्रचार-प्रसार भी नहीं कर सकेंगे: बिना अनुमति प्राप्त किए बगैर किसी भी सार्वजनिक स्थान पर सभा, धरना, रैली, प्रदर्शन एवं बंद न तो आयोजित किया जाएगा और ना ही इसके लिये प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

उल्लंघन पर BNS के तहत होगी कार्रवाई: आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 02 माह तक प्रभावशील रहेगा।

रायसेन में बारिश से किसानों को हो सकता है नुकसान

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में बदलते मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिले में रात भर से रुक-रुक कर हल्की बारिश जारी है, जिससे धान की फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, डिप्रेशन (अवदाब) के सक्रिय होने से मौसम में यह बदलाव आया है।

मध्य प्रदेश के अन्य जिलों के साथ रायसेन में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अनुमान है कि 29 अक्टूबर तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। इससे पहले शनिवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और हवाएं चलती रहीं। सुबह के समय कोहरे की धुंध भी छाई रही।

बारिश से किसानों ने अपनी चिंता व्यक्त की है। इस समय धान की फसल पककर तैयार है और कई खेतों में कटाई भी शुरू हो गई है। किसानों का कहना है कि अगर तेज बारिश होती है, तो धान का दाना पतला पड़ जाएगा, जिससे उपज प्रभावित होगी।

अपनी धान की उपज को बारिश से बचाने के लिए किसानों ने तिरपाल का सहारा लिया है। वहीं, कृषि उपज मंडी में भी व्यापारियों द्वारा खरीदी गई धान को पानी से बचाने के लिए तिरपाल से ढका गया है।

मंदसौर में बस खरीदवाने के नाम पर ठगी

10 महीने से फरार रतलाम का आरोपी गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर भेजा गया

मंदसौर, एजेंसी। सिटी कोतवाली पुलिस ने बस खरीदवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रतलाम निवासी रोहन राव पाटील उर्फ शुभम के रूप में हुई है, जिस पर मंदसौर निवासी राजेश सिंह पंवार से पैसे लेकर बस नहीं दिलाने का आरोप है। यह मामला जनवरी 2025 में दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे रिमांड पर लिया गया है।

सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई थी: फरियादी राजेश सिंह पंवार (निवासी मंदसौर) ने 16 जनवरी 2025 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आरोपी रोहन राव पाटील उर्फ शुभम ने उनसे बस खरीदवाने के नाम पर पैसे लिए थे, लेकिन बस नहीं दिलाई। फरियादी ने इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 40/2025, धारा 420, 406 भादवि के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। आरोपी तब से फरार चल रहा था और उसकी लगातार तलाश की जा रही थी।

ठिकानों पर कई बार दबिश दी: पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी जावरा के ढोढर स्थित बाछड़ा डेरों में आता-जाता रहता है। पुलिस ने उसके ठिकानों पर कई बार दबिश दी। पहले ढोढर में दबिश देने पर आरोपी भागने में सफल रहा था। आखिरकार, पुलिस ने उसे रविवार को गिरफ्तार कर लिया।

रिमांड पर लेकर राशि जब्त करेगी पुलिस: गिरफ्तारी के बाद आरोपी शुभम उर्फ रोहन पिता श्यामराव पाटील (उम्र 28 साल, निवासी मकान नंबर 11 ए/22, सुदामा परिसर, उंकाला रोड, रतलाम) को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पुलिस को उसका रिमांड मिला है। पुलिस का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपी से ठगी गई राशि जब्त की जाएगी।

नरवाई जलाने वाले चार किसानों पर एफआईआर दर्ज

प्रतिबंध के बाद रहली और केसली के किसानों ने 6 हेक्टेयर के फसल अवशेषों में लगाई आग

सागर, एजेंसी। सागर जिले में खेत में फसल के अवशेषों (नरवाई) में आग लगाने पर प्रतिबंध लगाया गया है, बावजूद इसके किसान खेतों में नरवाई जला रहे हैं। इसे लेकर प्रशासन ने अब कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने पर केसली और रहली क्षेत्र के चार किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

केसली: 2 हेक्टेयर में मक्का के अवशेष जलाए: तहसील कार्यालय केसली के पटवारी अरविंद कुर्मी पटेल ने तहसीलदार केसली के आदेश के तहत गौरझामर थाने को शिकायत आवेदन सौंपा। इसमें बताया गया कि ग्राम नयानगर निवासी राकेश कुमार पिता गोकलचंद जैन ने खेत में नरवाई जलाई है। जांच में पाया गया कि किसान राकेश कुमार ने अपनी 2 हेक्टेयर भूमि पर मक्का की फसल कटाई के बाद फसल अवशेषों को जलाया है। इससे पर्यावरण प्रदूषण और आगजनी की संभावना उत्पन्न हुई। इस कृत्य को शासन के निर्देशों का उल्लंघन पाया गया। इस पर गौरझामर थाने में किसान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इसी प्रकार केसली के ग्राम जनकपुर के किसान भरत पिता शिवराज लोधी और आशीष पिता शिवराज लोधी द्वारा अपनी भूमि 2.59 हेक्टेयर पर पराली जलाने का मामला सामने आया। मौके की जांच में पाया गया कि दोनों किसानों ने बिना अनुमति खेत में आग लगाई। इससे जनहानि, धनहानि और पर्यावरणीय क्षति की संभावना बनी। जिस पर कार्रवाई की गई है।

रहली में 1.49 हेक्टेयर खेत में जलाई नरवाई: उधर, रहली थाना में तहसील रहली क्षेत्र में आवेदक बलराम अहिरवार की रिपोर्ट पर ग्राम ढिकुआ निवासी जयराम पिता हरिराम कुर्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। किसान ने अपने 1.49 हेक्टेयर खेत में नरवाई जलाई है। साथ ही शासन के प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन किया है।

कलेक्टर बोले- कानूनी कार्रवाई की जाएगी: कलेक्टर संदीप जीआर ने निर्देश दिए हैं कि जिले में पराली जलाने की घटना को गंभीरता से लिया जाएगा। किसानों से अपील की है कि वे खेतों की सफाई के लिए वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल विधियों का उपयोग करें। अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीहोर में देर रात पुलिस के खिलाफ नारेबाजी

सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया; गिरफ्तारियों से नाराज लोगों ने किया प्रदर्शन

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के बुधनी में प्रशासन ने पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास 1500 वर्ग मीटर सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया। इस कार्रवाई के दौरान बुलडोजर और जेसीबी मशीनों का इस्तेमाल किया गया और भारी पुलिस बल तैनात रहा। कार्रवाई के बाद नाराज लोगों ने देर रात पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे।

जानकारी के अनुसार, माधव सिंह नामक व्यक्ति ने सरकारी जमीन पर टीनशेड बनाकर पशुओं का तबेला बना लिया था और पक्का निर्माण भी शुरू कर दिया था। प्रशासन को सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। नोटिस जारी होने और पक्का निर्माण शुरू होने के बाद कार्रवाई की गई।

विरोध और स्थिति नियंत्रण में: कार्रवाई के दौरान कुछ अतिक्रमणकारियों ने विरोध किया और प्रशासन के साथ कहासुनी भी हुई। हालांकि, भारी पुलिस बल की मौजूदगी के कारण स्थिति नियंत्रण में रही।

गिरफ्तारियां और नारेबाजी: पुलिस ने अतिक्रमण हटाने के मामले में माधव सिंह, भैया लाल, शीलू और सरला को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों से नाराज होकर क्षेत्र के कई लोगों ने देर रात पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

खेत जोतने से रोकने पर चाचा-भतीजे को पीटा

छतरपुर में 10 साल पुराना झगड़ा; लाठी-डंडों से हमला मारने का आरोप

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के मातगुवां थाना क्षेत्र के ग्राम छिरावल में शनिवार को एक पुराने जमीनी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि गांव के चार लोगों ने चाचा-भतीजे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, गायत्री मंदिर के पास, छतरपुर निवासी 80 वर्षीय धन्नी कुशवाहा अपने 40 वर्षीय भतीजे जगदीश कुशवाहा के साथ ग्राम छिरावल स्थित अपनी खेत की जमीन पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने देखा कि गांव का मोहनलाल वाल्मीकि ट्रैक्टर से खेत जोत रहा था। जब धन्नी कुशवाहा ने इसका विरोध किया, तो मोहनलाल वाल्मीकि, हरिराम प्रजापति, मूलचंद्र वाल्मीकि, सुनील और घासीराम ने मिलकर दोनों चाचा-भतीजे के साथ लाठी-डंडों से बुरी तरह मारपीट की। इस मारपीट में धन्नी कुशवाहा के हाथ-पैर टूट गए और उनके शरीर से खून बहने लगा। वहीं, जगदीश कुशवाहा को सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों को घटना की सूचना मिलने पर वे मौके पर पहुंचे और घायलों को मातगुवां थाने ले जाकर शिकायत दर्ज कराई। धन्नी कुशवाहा की गंभीर हालत को देखते हुए परिजनों ने उन्हें निजी वाहन से छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मातगुवां पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अखिलेश कुशवाहा ने बताया कि यह जमीनी विवाद पिछले 10 वर्षों से चला आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी उनके खेत को ट्रैक्टर से जोत रहे थे। जब उन्होंने पहले जमीन की नपती कराने की बात कही और उन्हें रोका, तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी।

खरगोन के बड़गांव में नर्मदा घाट पर युवक डूबा

24 घंटे बाद मिला शव, पूजा करने गया था

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के बड़गांव स्थित नर्मदा के डेरी घाट पर पूजा करने गए 24 वर्षीय युवक मयंक यादव की डूबने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार देर शाम हुई। युवक के परिजन लगभग 24 घंटे तक उसकी तलाश में लगे रहे। शनिवार देर शाम स्थानीय नाविकों ने नर्मदा नदी में उसका शव तैरता हुआ देखा और परिजनों को सूचना दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मयंक यादव घाट पर पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया। परिजन उसे शुक्रवार शाम से लापता समझ रहे थे। घाट पर मयंक की चप्पलें मिली थीं, लेकिन अंधेरा होने के कारण रात में उसकी खोज नहीं की जा सकी। शनिवार सुबह से पूरे दिन परिजन और ग्रामीण युवक की खोजबीन में लगे रहे। देर शाम नाविकों ने घाट से लगभग 200 मीटर दूर पानी में शव उतराता हुआ देखा और इसकी जानकारी परिजनों को दी।

पंजाब एफसी ने सुपर कप से पहले गोलकीपर अर्शदीप सिंह के साथ किया करार

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब एफसी ने अपनी गोलकीपिंग लाइनअप को और सशक्त बनाते हुए भारतीय गोलकीपर अर्शदीप सिंह को टीम में शामिल करने की घोषणा की है। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने क्लब के साथ एक वर्ष का अनुबंध किया है। वे हैदराबाद एफसी से टीम में शामिल हो रहे हैं और एआईएफएफ सुपर कप 2025 के अपने पहले मैच (गोकुलम केरल एफसी के खिलाफ) से पहले टीम के लिए बड़ी मजबूती माने जा रहे हैं। यह मुकाबला 27 अक्टूबर को खेला जाएगा। अर्शदीप का करियर पंजाब क्षेत्र की मिट्टी से गहराई से जुड़ा रहा है। उन्होंने अपने फुटबॉल की बुनियादी शिक्षा एआईएफएफ एलीट अकादमी से ली और उसके बाद मिनर्वा पंजाब के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की।

2016-17 सीजन में सीनियर टीम में प्रमोट किए जाने के बाद, वे 2017-18 सीजन में आई-लीग जीतने वाली ऐतिहासिक टीम का हिस्सा रहे। मिनर्वा के साथ अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने एएफसी चैंपियंस लीग क्वालिफायर और एएफसी कप दोनों में महत्वपूर्ण मैच खेले, जिससे उन्हें अपने करियर की शुरुआती अवस्था में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त हुआ।

आईएसएल में साबित की क्षमता : 2019 में अर्शदीप ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में कदम रखा और तीन अलग-

अलग क्लबों के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ओडिशा एफसी के साथ अर्शदीप ने तीन सीजन बिताए। उन्होंने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ अपना आईएसएल डेब्यू किया और अपने तीन साल के कार्यकाल में 33 मैचों में हिस्सा लिया। 2022-23 सीजन में उन्होंने एफसी गोवा के लिए 17 मैचों में गोलकीपिंग की। फिर 2024-25 सीजन में वे हैदराबाद एफसी की टीम का हिस्सा रहे।

पंजाब की गोलकीपिंग यूनिट को देंगे मजबूती – टोपोलियाटिस : पंजाब एफसी के टेक्निकल डायरेक्टर निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, पंजाब एफसी को अर्शदीप को साइन करने पर गर्व है। वह हमारी गोलकीपिंग यूनिट को मजबूती देंगे और साथ ही एक स्थानीय प्रतिभा के रूप में हमारी प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्हें इस क्षेत्र के फुटबॉल कल्चर और उससे जुड़ी अपेक्षाओं की पूरी समझ है। हमें पूरा विश्वास है कि वे मैदान पर और उसके बाहर दोनों जगह टीम के लिए प्रभावशाली भूमिका निभाएंगे। राज्य का प्रतिनिधित्व करना हर खिलाड़ी खिलाड़ी का सपना - अर्शदीपअर्शदीप सिंह ने अपने बयान में कहा, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करे और मेरे लिए यह सपना पंजाब एफसी के साथ सच हो गया है। मैं होशियारपुर के महिलपुर से हूं, जहां खेल के प्रति पंजाबियों का जुनून बचपन से ही देखा है। अब जब मैं अपने राज्य के एकमात्र शीर्ष स्तर के क्लब का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है।

टीम विलैजिओ की शानदार जीत – चेतन शर्मा की घातक गेंदबाज़ी ने दिलाया प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब

चंडीगढ़ , एजेंसी। सेक्टर-44 में संपन्न हुए दिवाली क्रिकेट टूर्नामेंट में टीम विलैजिओ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पैंथर क्लब को हराया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए टीम विलैजिओ ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 154 रन बनाए। हरविंदर नैन ने नाबाद 45 रन, सिकंदर राणा ने 38 रन, गुलशन कुमार ने 37 रन और कमल जोशी ने 15 रन का योगदान दिया।

पैंथर क्लब की ओर से प्रियांशू और अमन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि एक खिलाड़ी रन आउट हुआ। लक्ष्य का पीछा करते हुए पैंथर क्लब की टीम ने पूरी कोशिश की, लेकिन 17.4 ओवर में 108 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से आदित्य ने 23, अभिषेक ने 19 और बाबूलाल ने 17 रन बनाए। टीम विलैजिओ के चेतन शर्मा ने घातक गेंदबाज़ी का प्रदर्शन करते हुए अपने 3.4 ओवर में मात्र 14 रन देकर 6 विकेट झटके। हरविंदर नैन, गुलशन कुमार और कमल जोशी ने 1-1 विकेट लिया।

गुकेश और दिव्या को यूरोपियन क्लब कप में डबल गोल्ड:निहाल, अभिमन्यु और पौराणिक भी चमके

रोडेस, एजेंसी। वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश और दिव्या देशमुख ने यूरोपियन क्लब कप चेस टूर्नामेंट में डबल गोल्ड मेडल जीते हैं। इनके अलावा, ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन, अभिमन्यु और पौराणिक ने भी प्रभावित किया। ग्रीस के रोडेस में खेले गए इस टूर्नामेंट में गुकेश ने सुपरचेस और दिव्या देशमुख ने सेरकल डी'एचेक्स डी मोंटे-कार्लो की ओर से खेलते हुए इंडिविजुअल गोल्ड जीते।

इस साल के टीम इवेंट का टाइटल सुपरचेस ने जीता, जबकि अल्कलॉइड दूसरे और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर तीसरे स्थान पर रहे। यूरोपीय शतरंज क्लब कप यूरोप की क्लब टीमों का एनुअल टूर्नामेंट है। इसमें दुनिया के बेस्ट चेस खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।

सुपरचेस ने 14 में से 14 अंक हासिल किए : ओपन कैटेगरी के टीम इवेंट में सुपरचेस ने 7 राउंड में से 14 अंक हासिल किए। यानी टीम ने कोई भी मुकाबला नहीं गंवाया। वहीं, अल्कलॉइड की टीम 7 में से 6 मैच जीतकर 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। पिछले साल का टाइटल जीतने वाली नोवी बोर 12 अंक के साथ तीसरे नंबर पर रही।

सेरकल डी'एचेक्स डी मोंटे-कार्लो महिलाओं में नंबर-1: विमेंस कैटेगरी में सेरकल डी'एचेक्स डी मोंटे-कार्लो की टीम 13 अंक के साथ नंबर-1 पोजिशन पर रही। टीम ने 6 मुकाबले जीते, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। सिरमिमियम सरेउस्का मित्रोविका 10 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही। टीम 5 मैच जीती, जबकि 2 मैच हारी। हमें फिर भी उम्मीद है और जैसे-जैसे मैच नजदीक आएगा, उसका मूल्यांकन जारी रहेगा। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप के लीग चरण के दौरान भारत पर तीन विकेट से जीत दर्ज की थी , जिसमें हीली ने 142 रनों की शानदार पारी खेली थी। भारत को नवी मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल में घरेलू दर्शकों से उत्साहवर्धन की उम्मीद होगी। आस्ट्रेलियाई टीम के लिए यह स्थान कोई नया नहीं है, क्योंकि पिछले वर्ष की शुरूआत में उन्होंने हरमनप्रीत कौर की टीम को इसी स्थान पर 2-1 से टी-20 श्रृंखला में हराया था। एलिसा हिली की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी कर रही ताहलिया मैकग्राथ ने कहा, ''हमने उस मैदान पर और भारत के खिलाफ काफी मैच खेले हैं।'' उन्होंने कहा कि यह एक नॉकआउट गेम है ।

पहला वनडे- न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया : डेरिल मिचेल ने 78* रन बनाए

वेलिंग्टन,एजेंसी। न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में इंग्लैंड को 4 विकेट से हरा दिया। रविवार को मिली इस जीत से कीवियों ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। माउंट मॉन्गानुई के बे ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। इंग्लिश टीम 35.2 ओवर में 223 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान हैरी ब्रूक ने सबसे ज्यादा 135 रन बनाए। जकारी फाउलकस ने 4 विकेट झटके। न्यूजीलैंड के बैटर्स ने 224 रन का टारगेट 36.4 ओवर में 6 विकेट पर चेज कर लिया। डेरिल मिचेल ने नाबाद 78 रनों की पारी खेली, जबकि माइकल ब्रेसवेल 51 रन पर रनआउट हुए। कप्तान सैंटनर ने 27 और टॉम लैथम ने 24 रन का योगदान दिया। ब्रायडन कार्स को 3 विकेट मिले।

मैच जिताकर लौटे डेरिल मिचेल, नाबाद 78 रन बनाए : टॉप ऑर्डर के खराब प्रदर्शन के बाद नंबर-4 के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 4 अहम साझेदारी की। मिचेल ने टॉम लैथम के साथ 42, माइकल ब्रेसवेल के साथ 92, मिचेल सैंटनर के साथ 49 और नाथन स्मिथ के साथ नाबाद 17 रन की साझेदारी की। डेरिल ने 91 बॉल पर नाबाद 91 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के लगाए। उन्होंने 37वां ओवर डाल रहे आदिल रशीद की चौथी बॉल पर चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत, टॉप-3 बैटर्स ने 22 रन बनाए: 224 रन का टारगेट चेज करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने 24 रन पर टॉप-3 विकेट गंवा दिए थे। यहां तक विल यंग 5, केन विलियमसन जीरो और रचिन रवींद्र 17 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके हैं। ब्रायडन कार्स ने विल यंग (5 रन) और केन विलियमसन (शून्य) को दूसरे ओवर में पवेलियन भेजकर दबाव बनाया। फिर 5वें ओवर में मार्क वुड ने रचिन रवींद्र को पवेलियन भेज दिया। वुड 17 रन ही बना सके। उसके बाद कार्स ने टॉम लैथम (24 रन) को LBW करके कीवियों को चौथा झटका दे दिया।

11 में से 9 बल्लेबाज डबल डिजिट तक नहीं पहुंच : इंग्लैंड के 11 में से 9 बल्लेबाज डबल डिजिट तक नहीं पहुंच सके हैं। टीम के टॉप-4 बल्लेबाजों ने मिलकर महज 4 रन बनाए। टॉप ऑर्डर के फेल होने के बाद जोश बटलर और सैम करन मिडिल ऑर्डर में पारी संभालने में नाकाम रहे। बटलर ने 4 और करन ने 6 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से तेज गेंदबाज जकारी फाउलकस ने 4 विकेट झटके। उन्होंने डकेट, रूट, बेथेल और करन को पवेलियन भेजा।

विमेंस वनडे वर्ल्डकप- ऑस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल खेलेगा भारत, स्ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराया; अलाना किंग प्लेयर ऑफ द मैच

इंदौर, एजेंसी। विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में मेजबान भारत 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से सेमीफाइनल खेलेगा। शनिवार को ऑस्ट्रेलिया ने अपने आखिरी राउंड रॉबिन मैच में साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हरा दिया। इंदौर के होलकर स्टेडियम में साउथ अफ्रीका की टीम 97 रन बनाकर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने 17वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया।

कप्तान लौरा वोल्वार्ट ही टिक सकीं : इंदौर में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। साउथ अफ्रीका की शुरुआत मजबूत रही। लौरा वॉल्वार्ट ने ताजमिन ब्रिट्ज के साथ 6 ओवर तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। वोल्वार्ट 31 रन बनाकर आउट हुईं। उनके जाते ही टीम बिखर गई। साउथ अफ्रीका ने 60 रन के स्कोर पर 6 विकेट गंवा दिए। ब्रिट्ज 6, एनेरी डेरकसन 5 और सुने लुस 6 रन बनाकर आउट हुईं। मारिजान कैप और क्लो ट्रायोन खाता भी नहीं खोल सकीं।

जाफ्ता ने 100 के करीब पहुंचाया : विकेटकीपर सिनालो जाफ्ता ने नदीन डी क्लर्क के साथ टीम को 100 रन के करीब पहुंचाया। जाफ्ता 29 और क्लर्क

14 रन बनाकर आउट हुईं। दोनों के जाते ही टीम 97 रन पर सिमट गई। मसाबाता क्लास ने 4 और नोन्कुलुलेको मलाबा ने 1 रन बनाया। आयाबोंगा खाका खाता भी नहीं खोल सकीं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए लेग स्पिनर अलाना किंग ने 18 रन देकर 7 विकेट लिए। तेज गेंदबाज मेगन शट, किम गार्थ और ऑफ स्पिनर एश्ले गार्डनर को 1-1 विकेट मिला। एनाबेल सदरलैंड कोई विकेट नहीं ले सकीं।

वोल-मूनी ने ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई : 98 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया विमेंस की शुरुआत खराब रही। टीम ने 11 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। फीबी लिचफील्ड 5 और एलिस पेरी खाता खोले बगैर आउट हो गईं। जॉर्जिया वोल और विकेटकीपर बेथ मूनी ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। मूनी 42 रन बनाकर आउट हुईं, उनके बाद एनाबेल सदरलैंड ने 4 गेंद पर 10 रन बनाकर टीम को 17वें ओवर में जीत दिला दी। वोल 38 रन बनाकर नॉटआउट रहीं। साउथ अफ्रीका के लिए मारिजान कैप, नदीन डी क्लर्क और मसाबाता क्लास ने 1-1 विकेट लिया। आयाबोंगा खाका और नोन्कुलुलेको मलाबा कोई विकेट नहीं ले सकीं।

साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में पहला सेमीफाइनल : साउथ अफ्रीका की हार के साथ विमेंस वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल लाइन-अप भी तय हो गया। 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच पहला सेमीफाइनल होगा। वहीं 30 अक्टूबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। सेमीफाइनल जीतने वाली टीमों के बीच 2 नवंबर को फाइनल होगा।

दोनों टीमों की प्लेइंग-XI

ऑस्ट्रेलिया- फीबी लिचफील्ड, जॉर्जिया वोल, ताहलिया मैग्रा (कप्तान), एलिस पैरी, एनाबेल सदरलैंड, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, जॉर्जिया वेयरहम, मेगन शट।

वनडे में 100 कैच लेने वाले सातवें भारतीय बने रोहित शर्मा, सूची में इन खिलाड़ियों का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के लिए शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला गया मैच बेहद यादगार रहा। रोहित ने अपने बल्ले के साथ-साथ फील्डिंग में भी बड़ी उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा ने शनिवार को दो कैच पकड़े। रोहित ने मिचेल ओवेन और नाथन एलिस के कैच पकड़े। नाथन एलिस का कैच रोहित के वनडे करियर का 100वां कैच था। वनडे क्रिकेट में 100 कैच पकड़ने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली (305 मैच में 164 कैच), मोहम्मद अजहरुद्दीन (334 मैच में 156 कैच), सचिन तेंदुलकर (456 मैच में 140 कैच), राहुल द्रविड़ (344 मैच में 124 कैच), सुरेश रैना (226 मैच में 102 कैच), और सौरव गांगुली (311 मैच में 100 कैच) ये उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

हिटमैन के नाम से मशहूर रोहित शर्मा ने सिडनी मैच में 125 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 121 रन की पारी खेली। रोहित का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यह 50वां शतक (तीनों फॉर्मेट मिलाकर) था। वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले भारत के तीसरे और ओवरऑल 10वें बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा की शतकीय पारी की बदौलत भारत ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया। रोहित और विराट के बीच 168 रन की नाबाद साझेदारी हुई। कोहली 81 गेंद पर 74 रन बनाकर नाबाद रहे। रोहित को प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज घोषित किया गया। उन्होंने दूसरे वनडे में भी 73 रन बनाए थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली का संभवतः ये आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा था। इस दौरे का दोनों ही दिग्गजों ने यादगार समापन किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सोफी एक्लेस्टोन ने फेंकी सिर्फ चार गेंदें,.. जानिए आखिर क्या थी वजह?

विशाखापत्तनम, एजेंसी। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को महिला विश्व कप 2025 का 27वां मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन सिर्फ चार ही गेंदें फेंक सकीं। एक्लेस्टोन की कंधे की चोट के बाद एहतियातन यह कदम उठाया गया। रविवार को एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में मैदान पर डाइव लगाने के दौरान सोफी को कंधे में चोट लगी, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इंग्लैंड के मेडिकल स्टाफ ने उनकी जांच की।

सोफी बहुत दर्द में नजर आ रही थीं, लेकिन शुरुआती ड्रिंक्स ब्रेक के बाद वह मैदान पर लौट आईं। सोफी को न्यूजीलैंड की पारी का 23वां ओवर सौंपा गया, लेकिन चार गेंदें फेंकने के बाद उन्हें थोड़ी

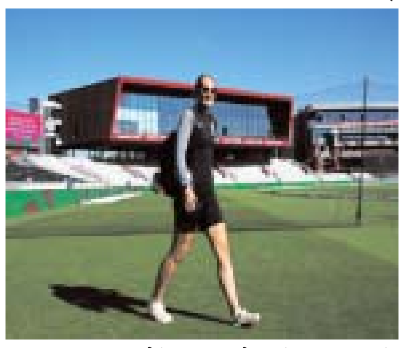

असुविधा हुई। उन्होंने 22.4 ओवर में ब्रुक हॉलिडे को कैच आउट कराया, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड टीम के फिजियो के साथ डगआउट चली गईं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने एक बयान में कहा, पहले ओवर में मैदान पर अपने बाएं कंधे पर अजीब तरह से गिरने के बाद, सोफी एक्लेस्टोन को गेंदबाजी करते समय और अधिक असुविधा हुई और अब उनका इलाज जारी रहा है। एहतियात के तौर पर वह इंग्लैंड की गेंदबाजी के दौरान मैदान पर नहीं लौटेंगी। इस मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 38.2 ओवरों का सामना कर सकी। इस दौरान टीम ने महज 168 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से जॉर्जिया प्लिम्मर ने 57 गेंदों में सर्वाधिक 43 रन बनाए, जबकि अमेलिया केर ने 35 रन की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले कप्तान हीली के वापस होने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में 30 अक्टूबर को सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का भारत से मुकाबला है। नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाने वाले इस महत्वपूर्ण मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया को चोटिल कप्तान एलिसा हीली की वापसी की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शनिवार को इंदौर में अपने आखिरी लीग स्टेज मैच में दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हरा दिया और टूर्नामेंट के मेजबान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले उसके पास कुछ बहुमूल्य समय है। ये अतिरिक्त दिन हीली को अपनी पिंडली की चोट से उबरने का मौका देंगे। ऐसे में आस्ट्रेलियाई कोच शेली निश्चेके को उम्मीद है कि तब तक उनकी कप्तान खेलने के लिए फिट हो जाएंगी। आईसीसी के अनुसार निश्चेके ने कहा कि रात वह पूरी तरह स्वस्थ नहीं थी, लेकिन उसका मूल्यांकन जारी रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई कोच ने कहा कि हम सेमीफाइनल के लिए आशान्वित हैं, लेकिन उससे पहले अभी कुछ दिन हैं।

हर्षित ने आलोचना भूल कर मैदान में दिया करारा जवाब : कोच श्रवण कुमार बोले- आखिरी मौका था, खुद पर भरोसा रखा और अपना बेस्ट दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। वनडे टीम में जगह पाने के बाद तेज गेंदबाज हर्षित राणा पर लगातार सवाल उठ रहे थे। पूर्व चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत और आर. अश्विन ने खुलकर आलोचना करते हुए कहा था कि हर्षित को टीम में इसलिए शामिल किया गया क्योंकि वह गौतम गंभीर की चापलूसी करते हैं। लेकिन शनिवार को हर्षित ने चार विकेट लेकर न सिर्फ टीम की जीत में अहम योगदान दिया, बल्कि अपने प्रदर्शन से आलोचकों को भी जवाब दे दिया। हर्षित राणा के कोच श्रवण कुमार ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा, अच्छा खिलाड़ी मैदान में अपने प्रदर्शन से ही जवाब देता है। आज हर्षित ने वही किया।

उन्होंने आगे कहा, हर्षित को पता था कि यह उसका आखिरी मौका है। अगर उसने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया तो उसे बाहर बैठना पड़ सकता था। हमने उससे बातचीत की थी और उसने कहा था, 'सर, यह आखिरी मौका है।' शायद यह अल्टीमेटम कोच और टीम मैनेजमेंट की ओर से था। मैंने उसे कहा, 'खुद पर भरोसा रखो और अपना बेस्ट दो।' उसने वही किया और चार विकेट लेकर सभी आलोचकों को जवाब दे दिया।

जो प्लेयर आलोचना कर रहे है, वह भूल गए कि उन्हें कितने मौके मिले: कोच ने आलोचकों पर पलटवार भी किया और कहा कि लोगों को लगता है कि अगर किसी सीनियर का शागिर्द है, तो हर्षित को मौका यूं ही मिल गया, लेकिन कोई नहीं देखता कि वो बच्चा रोज ग्राउंड में कितना पसीना बहा रहा है, कितनी बार नेट्स में गिरकर उठा है। उन्होंने कहा- जो प्लेयर आलोचना कर रहे है, वह भूल गए कि उन्हें कितने मौके मिले हैं।

आलोचना से डरता नहीं, उसी से मजबूत बनता है' : श्रवण ने कहा कि हर्षित आलोचना से भागता नहीं, बल्कि उसे ईंधन की तरह इस्तेमाल करता है। आलोचना हर खिलाड़ी को मिलती है, लेकिन फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे कैसे लेते हैं। हर्षित उसे मोटिवेशन की तरह लेता है। जब लोग सवाल उठाते हैं, तो वो और ज्यादा फोकस हो जाता है।

रांची आए देश-विदेश के एथलीट्स ने साझा की अपने जीवन और संघर्ष की कहानी

रांची, एजेंसी। रांची में आयोजित चौथे दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के दौरान जोहार वार्ता ने रविवार को खिलाड़ियों के दिलों की बात को मंच पर लाने का एक सशक्त और संवेदनशील प्रयास किया है। इस विशेष संवाद श्रृंखला में दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों से आए एथलीट्स ने न केवल अपने संघर्षों और उपलब्धियों की कहानी सुनाई, बल्कि झारखण्ड में बिताए अपने यादगार अनुभवों को भी साझा किया। दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की ओर से आयोजित जोहार वार्ता में भारत के समरदीप सिंह गिल ने अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा, मैं क्रिकेट में तेज़ गेंदबाज और पिंच हिटर था। फिटनेस के लिए स्टेडियम जाना शुरू किया और वहीं पहली बार शॉटपुट फेंका और यहीं से नई कहानी शुरू हुई। बीच में चोटें भी आईं, पर परिवार का साथ हमेशा मिला। भारत का ध्वजवाहक बनना मेरे लिए गर्व का क्षण था।समरदीप सिंह गिल ने पुरुष शॉटपुट में नया मीट रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता और भारतीय दल के ध्वजवाहक भी रहे। हरियाणा के रोहतक से आई संजना सिंह ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा. मैं बचपन में बहुत शरारती थी, इसलिए माता-पिता ने मुझे खेलों में भेजा, ताकि मेरी ऊर्जा सही दिशा में लगे। मैंने शुरुआत में स्प्रिंट किया, फिर

मिडल डिस्टेंस रेस में अपनी पहचान बनाई। मेरी माँ वॉलीबॉल खिलाड़ी थीं, लेकिन उन्हें समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें हर मदद दूंगी, आज वही मेरी ताकत बनीं।संजना सिंह ने 1500 मीटर और 5000 मीटर दोनों में स्वर्ण पदक जीता है। मालदीव की सबहा ने भी अपने अनुभव साझा किए और कहा, यह प्रतियोगिता 17 साल बाद आयोजित हुई और इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मेरा परिवार गरीब है, खेल ही मेरे जीवन का आधार रहा है। रांची आकर मैं यहां की शानदार व्यवस्थाओं और लोगों की गर्मजोशी से अभिभूत हूं। यह अनुभव मैं कभी नहीं भूलूंगी। श्रीलंका के रनातुंगे रोशन ने कहा, स्प्रिंट आसान नहीं होता, महीनों की मेहनत का परिणाम बस 11-12 सेकंड में तय होता है। श्रीलंका हमेशा से स्प्रिंट में अच्छा रहा है और भारत की प्रगति देखना प्रेरणादायक है। रांची की संस्कृति और दर्शकों का जोश हमेशा याद रहेगा।इन्होंने पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स में रजत पदक जीता है। नेपाल के मुकेश बहादुर पाल, जो पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में चौथे स्थान पर रहे, उन्होंने कहा, भारत हमारे देश जैसा ही लगता है। मैंने रांची का नाम सुना था, लेकिन यह नहीं जानता था कि यह इतना सांस्कृतिक और पारंपरिक रूप से समृद्ध है। हम बॉलीवुड के गाने सुनते हैं और विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे भारतीय क्रिकेटर नेपाल में भी बहुत लोकप्रिय हैं। यहां सरकार द्वारा दी गई सुविधाएं शानदार रहीं। यह अनुभव मैं अपने पोते-पोतियों को सुनाऊंगा कि मैं इन ऐतिहासिक सैफ गेम्स का हिस्सा था। इन सच्ची और प्रेरक कहानियों ने 'जोहर वार्ता को इस चैम्पियनशिप का भावनात्मक केंद्र बना दिया है, जहां खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन, संघर्ष और एकता का उत्सव बन गया है। खेल भावना, भाईचारा और सांस्कृतिक जुड़ाव को समर्पित यह पहल खिलाड़ियों की मानवता, भावनाओं और प्रेरणा को उजागर करने वाला एक जीवंत मंच बन गई है। चौथे दक्षिण एशियाई सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 के अंतर्गत आयोजित जोहर वार्ता का उद्देश्य खिलाड़ियों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है।

हिनौती गौधाम में संरक्षित शत प्रतिशत गौवंश का पंजीयन करायें : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिये कि हिनौती गौधाम में संरक्षित शत प्रतिशत गौवंश का आगामी तीन दिनों में पंजीयन सुनिश्चित करें। उन्होंने लगभग 1200 से अधिक गौवंश की गणना कर पंजीयन कराने के निर्देश दिये।

न्यू सर्किट हाउस राजनिवास में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में निर्णाणाधीन कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रशासनिक भवन सहित सुरभि, कपिला व कामधेनु कूल गौशेड के निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों के लिये प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है उनमें शीघ्र राशि जारी करें ताकि कार्य में विलंब न हो। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में प्राकृतिक खेती को प्रारंभ कराया जाय।

हिनौती गौधाम में गत दिनों कराये गये वृक्षारोपण की स्थिति तथा फेंसिंग कार्य की भी जानकारी उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की।

बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करें तथा गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाय। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम अनुराग तिवारी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान अन्तर्गत शिविर संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। वित्तीय क्षेत्र में अनक्लेम्ड एसेट्स के कुशल एवं त्वरित निपटान को सुगम बनाने के उद्देश्य से आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान अन्तर्गत कैंप का आयोजन किया गया। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित कार्यशाला में कलेक्टर प्रतिभा पाल, यूनियन बैंक के उप महाप्रबंधक एवं सहायक महाप्रबंधक तथा बैंकर्स उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के वित्त सेवा विभाग द्वारा 31 दिसंबर तक बैंकों में जागरूकता शिविर आयोजित किये जा रहे हैं जिसके माध्यम से गत दस वर्ष में जिन खातों में कोई लेन देन नहीं हुआ उनकी राशि रिजर्व बैंक में भेज दी गई है। रिजर्व बैंक द्वारा उपरोक्त राशि को संबंधित बैंकों को भेजकर निर्देश दिये गये हैं कि पहचान कर संबंधित खातेदार को राशि को वापस किया जाय।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बैंकर्स से कहा कि ऐसे ग्रामीण खाताधारकों की सूची उपलब्ध करायें ताकि ग्राम सभा में वाचन कराकर उनकी पहचान के उपरांत राशि वापस किये जाने की कार्यवाही की जाय। इसी क्रम में शासकीय विभागों के खातों की भी सूची प्रस्तुत करने की बात कलेक्टर द्वारा कही गई। क्षेत्रीय प्रबंधक अजय खरे ने बताया कि रीवा जिले में यूनियन बैंक में 51 करोड़ रूपये की अनक्लेम्ड राशि को संबंधित खातेदार की पहचान के लिये जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि वह उनके खातों में वापस की जा सके।

अग्रणी जिला प्रबंधक जगमोहन ने बताया कि अनक्लेम्ड जमा राशि, अनक्लेम्ड बीमा दावे, अनक्लेम्ड डिविडेंड, अनक्लेम्ड शेयर एवं म्यूचुअल फण्ड से संबंधित दावे प्राप्त करने के लिए निवेशकों को आवश्यक सहयोग और सहायता दी जाएगी। इसके लिए शिविर में पृथक-पृथक काउंटर उपलब्ध रहेंगे। अग्रणी बैंक प्रबंधक ने कहा कि आमजनता शिविर का लाभ उठाकर अपनी अनक्लेम्ड राशि वापस ले सकते हैं।

बस मालिक का आमरण अनशन 4 दिन बाद खत्म, पुलिस ने जूस पिलाकर तुड़वाया; पुलिस ने दिया निष्पक्ष जांच का भरोसा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पिछले चार दिन से आमरण अनशन पर बैठे बस मालिक संतोष तिवारी ने अब अनशन खत्म कर दिया है। पुलिस द्वारा न्याय का भरोसा दिलाए जाने के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। जिले के कलेक्ट्रेट परिसर के सामने बीते कई दिनों से वे आमरण अनशन पर बैठे थे। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर संतोष कुमार तिवारी को आश्वासन दिया। नगर पुलिस अधीक्षक डॉ. रितु उपाध्याय और सिविल लाइन थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा भी मौके पर पहुंचे। जहां उन्हें जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया गया।

पुलिस बोली- होगी निष्पक्ष जांच: डॉ. उपाध्याय ने अनशनकारी को आश्वस्त किया कि सोमवार को दोनों पक्षों के सभी रिकॉर्ड एकत्रित कर निष्पक्ष जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी बसों को सामने लाया जाएगा और मामले में उचित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। संतोष कुमार तिवारी ने कहा कि पुलिस के भरोसे और प्रशासन की सकारात्मक पहल को देखते हुए उन्होंने आमरण अनशन खत्म करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस के आश्वासन पर अनशन समाप्त किया है, लेकिन अगर न्याय नहीं मिला तो फिर से मजबूर होकर आमरण अनशन शुरू करूंगा।

पुलिस द्वारा प्राचीन मठुली माता मन्दिर की मूर्तियों के साथ तोड़फोड़ करने फरार दूसरे आरोपी को किया गया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। थाना प्रभारी मनगवां निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़ एवं उनके हमराह पुलिस स्टाफ ने थाना मनगवां के अपराध क्रमांक 516/25 धारा 196, 298, 324(1) बीएनएस के तहत फरार दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। फरियादी अरविन्द्र कुमार मिश्रा, पिता सतानंद मिश्रा, उम्र 50 वर्ष, निवासी मनगवां बस्ती वार्ड नं. 04, ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मनगवां बस्ती में स्थित प्राचीन मठुली माता मंदिर की मूर्तियों को 05 अक्टूबर की रात को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से तोड़फोड़ कर खंडित कर दिया गया है।

इस मामले में अज्ञात आरोपियों की पहचान के लिए लगातार साक्ष्य संकलन और संदेहियों से पूछताछ की गई। घटना का खुलासा करते हुए आरोपी मोहम्मद उमर अंसारी उर्फ साहिल, निवासी मनगवां बस्ती, को 23 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इसके बाद, फरार आरोपी मोहम्मद अहमद खान, पिता मोहम्मद रमजान खान, उम्र 48 वर्ष, निवासी वार्ड क्र. 02 मनगवां बस्ती, को 25 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में वारंट जारी करते हुए केंद्रीय जेल रीवा भेजा गया।

प्रकरण के अन्य फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है। इस कार्यवाही में निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़, सउनि. धीरेन्द्र सिंह, प्रआर. 984 जय सिंह, प्रआर. 713 आशीष सिंह, प्रआर. 559 बलराम पासी, आर. 401 अमरीश सिंह, आर. 994 अजय सिंह और आर. 616 अवनीश तिवारी की भूमिका सराहनीय रही।

प्रधानमंत्री पर अडानी को फायदा दिलाने का कमलेश्वर ने लगाया आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश शासन और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य कमलेश्वर पटेल ने आरोप लगाया है कि देश के प्रधानमंत्री ने भारत के करोड़ों आम जनमानस की गाढ़ी कमाई अपने मित्र अडानी को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका में अडानी पर घूसखोरी के मामले में केस दर्ज हुआ, तब दुनिया के सभी बैंकों ने अडानी को लोन देने से मना कर दिया। लेकिन तब हमारे देश के प्रधानमंत्री दोस्ती निभाने आगे आए। भाजपा सरकार ने एलआईसी पर दबाव बनाकर अडानी समूह की कंपनियों में 34,000 करोड़ रुपये का निवेश करवाया। यानी देश की जनता के बचत वाले पैसों से अडानी का कर्ज उतारा गया। कमलेश्वर पटेल ने कहा, रुपया देशवासियों का, पॉलिसी देशवासियों की, और सुरक्षा अडानी की। यह पैसा किसी उद्योगपति की मदद के लिए नहीं, बल्कि आम आदमी की जरूरत और भविष्य की सुरक्षा के लिए था। किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों की गाढ़ी कमाई इस एलआईसी में लगी थी, जिसे अडानी के इस्तेमाल में दे दिया गया। उन्होंने राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे नेता लगातार अडानी और भाजपा सरकार की मिलीभगत की पोल खोलते आ रहे हैं, लेकिन देश की मीडिया ने कभी भी भाजपा सरकार से इस पर सवाल नहीं पूछा। राहुल गांधी ने 3 जून को स्पष्ट कहा था, पैसा, पॉलिसी, प्रीमियम आपका, सुरक्षा, सुविधा, फायदा अडानी का! और आज वह सच साबित हो गया है।

कमलेश्वर पटेल ने कहा कि चाहे असम में करोड़ों की ज़मीन अडानी के नाम करना हो, या बिहार में 1 रुपये में 1000 एकड़ ज़मीन देना हो, हर मोर्चे पर राहुल गांधी द्वारा उजागर की गई अडानी और भाजपा की मिलीभगत सच साबित होती है।

उन्होंने कहा कि यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि मोदी सरकार देश के संसाधनों, संस्थाओं और जनता के विश्वास को एक उद्योगपति के लिए गिरवी रख रही है। इससे साफ जाहिर होता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को देश की जनता की परवाह नहीं है और वे दिन-रात सिर्फ़ अपने मित्र अडानी के लिए काम करते हैं।

एक फार्मूले की दवा अलग अलग रेट से बिक्री स्टोरो-अस्पतालों में दवा के नाम से अवैध वसूली का चल रहा खेल : फोरम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विन्ध्य के हर मेडिकल स्टोर और निजी अस्पतालों में इलाज के नाम पर दवा के नाम से अवैध वसूली का खेल खुलेआम चल रहा है। एक फार्मूले की दवा को अलग-अलग रेट और नामों से मेडिकल स्टोरों और अस्पतालों में बेचा जा रहा है, जिसमें दवा कंपनियों और चिकित्सकों की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता।

हर निजी अस्पताल और डॉक्टर अपनी मर्जी के नामों से दवा मरीज की पर्ची में लिखते हैं, जो केवल उनके नियत मेडिकल स्टोर्स पर ही मिलती है। यदि कोई समझदार मरीज अलग नाम से उस फार्मूले की दवा लेकर डॉक्टर को दिखाता है, तो उन्हें डरा दिया जाता है कि यदि मरीज को कुछ भी गलत होता है, तो इसकी जिम्मेदारी उनकी नहीं होगी। इस डर के चलते मरीज की जान बचाने के लिए रिश्तेदार मजबूर होकर डॉक्टर की हर बात मानने को तैयार हो जाते हैं।

इस तरह इलाज के नाम पर होने वाले व्यय का अधिकतम हिस्सा दवाइयों के नाम पर वसूला जाता है। केंद्र सरकार द्वारा कई जरूरी दवाइयों के रेट फिक्स किए गए हैं, लेकिन उन आदेशों का असर समूचे विंध्य क्षेत्र में कहीं देखने को नहीं मिलता। हाल ही में सच बोलने की सजा एक मेडिकल स्टोर वाले को मिली है, लेकिन असली गुनहगार आज भी शिंकजे से बाहर आजाद हैं। यह सब क्यों हो रहा है, यह सवाल मेडिकल उपभोक्ता फोरम के संस्थापक अध्यक्ष नारायण डिगवानी ने जिला प्रशासन और जिम्मेदार स्वास्थ्य अधिकारियों से किया है। डिगवानी ने बताया कि विन्ध्य क्षेत्र के मरीजों को दवा कंपनियों द्वारा अपनी दवाओं के प्रभाव की जांच के लिए प्रयोगशाला माना जाता है, क्योंकि यहां उन्हें सरल सुलभ अवसर प्राप्त होते हैं और कार्यवाही भी शून्य है।

1920 शीशी नशीली सिरप पकड़ाई, 16 पेटियों में यूपी से लेकर आ रहे 3 तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस ने नशीली कफ सिरप की एक बड़ी खेप पकड़ी है, जिसमें 16 पेटियों के साथ तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई तब की गई जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि तस्कर शहर में नशे की बड़ी खेप लेकर डिलीवरी देने के लिए आए हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तस्करों को शहर में प्रवेश करने से पहले ही घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए तस्करों में रीवा के साथ-साथ उत्तर प्रदेश का एक तस्कर भी शामिल है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। एडिशनल एसपी आरती सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के बाद समान थाने की पुलिस ने जिउला मोड़ के पास एक कार को घेराबंदी कर पकड़ा। मौके पर कार की तलाशी लेने पर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इनकी निशानदेही पर कार में लोड 16 पेटियों में कुल 1920 शीशी नशीली कफ सिरप बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि इस खेप की अनुमानित कीमत 2 लाख रुपये से अधिक है। पकड़े गए आरोपियों में चाकघाट निवासी सुशील कुमार मांझी, इटोरा निवासी आनंद विश्वकर्मा और बनारस निवासी कृष्णम सिंह गहरवार शामिल हैं। ये आरोपी उत्तर प्रदेश से लाई गई नशे की खेप को रीवा के अलग-अलग मोहल्लों में खपाने वाले थे। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। पिछले कुछ समय से रीवा में नशीली दवाओं की तस्करी में वृद्धि हुई है, जिससे स्थानीय प्रशासन और पुलिस के लिए यह एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर पूरी चेन का पता लगाने की कोशिश कर रही है ताकि अन्य नशे के तस्करों के बारे में भी जानकारी मिल सके। पुलिस ने यह भी कहा कि वे इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेंगी और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगी।

गैंगरेप का आरोपी पीड़िता के पिता को उठा ले गया, स्कॉर्पियो से अपहरण किया; ग्रामीणों ने हाईवे किया जाम

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नाबालिग गैंगरेप पीड़िता के पिता का अपहरण हो गया। रेप के आरोपी ने ही इस वारदात को अंजाम दिया। घटना से गुस्साए लोगों ने हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। घटना शनिवार रात 9 बजे की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही पंकज सोनी ने स्कॉर्पियो से नाबालिग के पिता का अपहरण किया है। 12 घंटे बाद भी पुलिस आरोपी तक नहीं पहुंच सकी है।

हाईवे पर जाम की सूचना मिलते ही मऊगंज एएसपी विक्रम सिंह और एसडीओपी सची पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन जाम खोलने को तैयार नहीं हुए।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। द्वारिका और सोमनाथ तीर्थस्थान की यात्रा के लिये रीवा रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। विधायक मनगवां इंजी. नरेन्द्र प्रजापति, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता एवं अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय ने गत रात्रि तीर्थदर्शन ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को एक तीर्थस्थान की नि:शुल्क यात्रा कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के द्वारा 60 साल से अधिक आयु के मध्यप्रदेश के निवासी नागरिकों को नि:शुल्क तीर्थयात्रा का एक बार अवसर दिया जाता है। इस योजना के तहत रीवा जिले के 200 बुजुर्गों कों 25 अक्टूबर को द्वारिका और सोमनाथ की तीर्थयात्रा का अवसर प्राप्त हुआ। तीर्थदर्शन ट्रेन 25 अक्टूबर को रीवा रेलवे स्टेशन से रवाना की गई। यह ट्रेन 31 अक्टूबर को वापस लौटेगी। इसमें रीवा के 200 बुजुर्गों के साथ-साथ मऊगंज जिले के 179, सतना के 200 तथा मैहर जिले 200 बुजुर्गों को नि:शुल्क तीर्थयात्रा कराई जाएगी। तीर्थयात्रियों को सहयोग देने के लिए प्रत्येक जिले से चार अनुरक्षक भी उनके साथ रवाना हुये। यात्रा के दौरान सभी तीर्थयात्रियों को ठहरने, भोजन, पानी, चाय और नाश्ते की नि:शुल्क सुविधा दी जाएगी।

केसीसी कंपनी की लापरवाही से फिर गई एक जान, लोगों में आक्रोश

सड़क हादसा : रतहरा-चोरहटा मार्ग पर महिला की दर्दनाक मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रतहरा से चोरहटा के लिए बन रही हाईवे पर रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। सड़क निर्माण कार्य कर रही केसीसी कंपनी की भारी लापरवाही के चलते एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क पर निर्माण सामग्री, कीचड़ और पानी के कारण मार्ग अत्यंत फिसलनभरा हो गया था। इसी कारण महिला की बाइक फिसल गई और वह ट्रक की चपेट में आ गई। जानकारी के अनुसार, घटना शाम करीब 4 बजे की है। मृतका अपने पुत्र के साथ मोटरसाइकिल से रतहरा की ओर जा रही थी। इसी दौरान नवनिर्माणाधीन हाईवे पर जहां-तहां मिट्टी और पानी डाले जाने से सड़क पर फिसलन बन गई थी। जैसे ही उनकी बाइक फिसली, महिला गिर पड़ी और पीछे से आ रहे ट्रेलर ट्रक के नीचे आ गई। हादसा इतना भयावह था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र बाल-बाल बच गया। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत चोरहटा थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन शव को अस्पताल पहुंचाने के लिए वाहन न मिलने से घंटों मशक्कत करनी पड़ी। अंतत: पुलिस ने 112 वाहन से शव को संजय गांधी अस्पताल भिजवाया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि केसीसी कंपनी की लापरवाही कोई नई बात नहीं है। निर्माण के दौरान न तो सही डायवर्जन बनाया गया, न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। सड़क पर बिना योजना के पानी डालना और कीचड़ छोड़ देना आम बात बन गई है। इसके कारण आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। हादसे के बाद ग्रामीणों और राहगीरों में भारी आक्रोश है। लोगों ने कहा कि जब तक प्रशासन और सड़क निर्माण एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक इस तरह के हादसे रुकने वाले नहीं हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि केसीसी कंपनी पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर जांच कराई जाए और सभी निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मृतका के परिवार में मातम छाया हुआ है और लोग अब यह सवाल पूछ रहे हैं — आखिर कब तक सड़कों की लापरवाही यूं ही निर्दोष जानें लेती रहेगी?

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।